तापमान

अधिकतम 31.1 डिग्री

न्यूनतम 19.4 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

12 कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भाजयुमो ने फूंका ...



13 दीपावली आते ही पाटन में 52 पत्तों का खेल तेज...





न्यु

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

मास्टर कूपन

27 अक्टूबर 2026

कूपन नं.

9

खबर संक्षेप

सात जुआरियों से छह हजार रुपए जब्त

भिलाई। जुआ खेल रहे सात जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जुए के अड्डे से पुलिस ने नगद 6 हजार और ताश पत्ती बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि रूआबांधा में दबिश देकर मुखबिर की सूचना पर एचएससीएल कॉलोनी, रूआबांधा निवासी कन्हैया यादव,संजय साहू, रूआबांधा दिनेश निषाद, लक्ष्मी जोशी, मनीष जैन,मनोज मारकंडे, सेक्टर-6, बोरिया क्वार्टर, सड़क नंबर 52, गौतम बघेल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नगद रकम 6100 बरामद किया।

पुलिस जांच में खुलासा : पकड़े गए दोनों युवक को नागपुर पहुंचानी थी पिकअप

मनी लॉन्ड्रिंग के लिए हो रहा कुरियर वैन का इस्तेमाल मुंबई और दिल्ली के रास्ते विदेशों तक पहुंच रहा पैसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

खुर्सीपार में बीती रात पकड़े गए पिकअप वैन से प्रदेश में मनी लॉन्ड्रिंग का बड़ा खुलासा हुआ है। पकड़े गए दोनों युवक भवेश भाई जीनाभाई डाभी और विष्णु देव दुबे कुरियर ब्वाय हैं।

उन्हें पता ही नहीं है कि यह कैश कहां छोड़ना था। उनसे पूछताछ में सिर्फ इतना पता चला है कि इस पिकअप वैन को नागपुर पहुंचाना था, जहां से इसे दूसरा ड्राइवर गुजरात या मुंबई लेकर आगे जाता। पैसा किसका है, कहां से लाया जा रहा था, कहां ले जाया जा रहा था। पकड़े गए दोनों युवकों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि ऐसे 3 पिकअप वैन छत्तीसगढ़ में चल रहे हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इस प्रकार काली कमाई के पैसे को दूसरे राज्यों में भेजकर व्हाइट मनी बनाने का खेल चल रहा है। इस खुलासे के पास पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया है। वहीं इंकम टैक्स विभाग को इस पूरे मामले की खबर दी गई है। पुलिस पिकअप के मालिक के बारे में भी पतासाजी कर रही है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंद वित्तीय अपराध और सुरक्षा उल्लंघन की श्रेणी में आता है। खुर्सीपार के डबरा पारा में पकड़ी गई वैन ने पूरे छत्तीसगढ़ की पुलिस को अलर्ट कर दिया है। वाहन सीजी 04 क्यूयू 5996 किसका है, यह अब तक पता नहीं चल पाया है।

हरिभूमि पड़ताल



अब कुरियर वाहन मालिकों पर कसेगा शिकंजा

कुरियर वाहन संचालित करने वाले संचालकों के बारे में पुलिस जांच में जुटी हुई है। इस तरह के वाहन मालिकों से दस्तावेज समेत कितने समय से कुरियर में वाहनों को लगाया गया इसे लेकर भी जांच किया जाएगा। भिलाई-दुर्ग से होते हुए जाने वाले कुरियर वाहनों पर अब शिकंजा कसा जा सकता है। दुर्ग पुलिस इस तरह के वाहनों को लेकर सारी जानकारी रखने की तैयारी में है। कई मामलों में कूरियर कंपनियों के ड्राइवर, लॉजिस्टिक स्टाफ या सुरक्षा गाइर्स खुद इन सिंडिकेट्स का हिस्सा बन जाते हैं। लालच में आकर हवाला कारोबारियों के लिए काम करने लगते हैं। इस कारण पुलिस इसे लेकर गंभीर है।

> **वाहन के गुप्त चेंबर से मिला है कैश**
>
> सूचना पर पुलिस ने वाहन को पकड़ कर करोड़ों रुपए नगद जब्त किया है। दो पर पुलिस ने कार्रवाई कर वाहन के पिछले हिस्से में बने गुप्त चेंबर से रकम पाए गए है। हर पहलूओं की जांच की जा रही है। -विजय अग्रवाल, एसएसपी दुर्ग

आगे आयकर विभाग करेगा इस पूरे मामले की जांच

आयकर विभाग की नजरों से बचने के लिए सुरक्षा वाहनों और कूरियर नेटवर्क का दुरुपयोग किया जा रहा है। अम तौर पर सुरक्षा और कूरियर वाहनों को नियमित चेकिंग के दौरान छूट मिल जाती है, उन पर पुलिस जल्दी शक नहीं करती। अपराधी इसी का फायदा उठाकर करोड़ों की बेहिसाब नकदी (ब्लैक मनी) को एक शहर से दूसरे शहर ट्रांसफर करते हैं। वाहन के गुप्त केबिन और चैंबर बनाकर दुर्ग जैसे क्षेत्रों में ऐसे मामले सामने आने के बाद चेकिंग कड़ाई कर दी गई दी गई है। फर्जी बिलिंग और शेल कंपनियां सिंडिकेट में शामिल लोग फर्जी बिल बनाकर और कागजी कंपनियां खोलकर काले धन को वैध दिखाने का प्रयास कर इस तरह से वाहनों में एक जगह से दूसरे जग रकम ट्रांसफर कर रहें है। 4 करोड़ कैश मिलने के बाद आयकर विभाग इसमें जांच कर रकम किसका ये कालाधन कहां से इनके पास आया है। इसे लेकर कई सवाल खड़े हो रहें है। वाहन के पिछले हिस्सें को काटकर चेंबर बनाने वाले के बारे में भी पुलिस पतासाजी कर रही है।

नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक दवा की खरीद-बिक्री रिकॉर्ड में मिली गड़बड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग



नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक औषधियों की खरीद-बिक्री पर निगरानी रखने के लिए खाद्य और औषधि प्रशासन दुर्ग तथा नारकोटिक नियंत्रण विभाग रायपुर की संयुक्त टीम ने दुर्ग और भिलाई के पांच मेडिकल स्टोरों की जांच की। सोमवार को की गई इस कार्रवाई में दो मेडिकल स्टोरों में अनियमितताएं सामने आईं। विभाग के अनुसार, इन दुकानों में दवाओं की खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड नियमानुसार नहीं पाए गए और पंजीकृत फार्मासिस्ट भी अनुपस्थित मिले। संबंधित संचालकों के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान भिलाई के कैंप-01 स्थित सड़क-18 के मेसर्स जनता मेडिकल स्टोर्स और पावर हाउस के शास्त्री मार्केट स्थित मेसर्स देवांगन मेडिकल स्टोर्स में नियमों का पालन नहीं पाया गया। दोनों मेडिकल स्टोरों में नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक दवाओं के क्रय-विक्रय संबंधी रिकॉर्ड निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं थे। पंजीकृत फार्मासिस्ट भी अनुपस्थित पाए गए। विभाग ने स्पष्ट किया कि इन अनियमितताओं के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तीन मेडिकल स्टोर का संचालन मिला नियमानुसार

सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह के अनुसार, जांच दल ने तीन अन्य मेडिकल प्रतिष्ठानों में संचालन नियमानुसार पाया। इनमें रामनगर, भिलाई स्थित मेसर्स स्पर्श हॉस्पिटल फार्मेसी, नंदिनी रोड, पावर हाउस स्थित मेसर्स श्याम मेडिकल्स और दुर्ग स्थित साईं कामना एजेंसी शामिल हैं। इस कार्रवाई में औषधि निरीक्षक विष्णु प्रसाद साहू, चंद्रकला ठाकुर और जगेश्वरी साहू के साथ नारकोटिक नियंत्रण विभाग रायपुर के निरीक्षक त्रिलोक कुमार तथा उपनिरीक्षक अंकित मीणा शामिल रहे। टीम ने मेडिकल स्टोरों में नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय-विक्रय से जुड़े रिकॉर्ड और नियमों के अनुपालन की जांच की।



खबर संक्षेप

2 नवंबर को मनेगा राज्योत्सव, नोडल नियुक्त

दुर्ग। जिले में राज्योत्सव कार्यक्रम पुरानी गंजमंडी में 2 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संचालन समिति का गठन किया गया है। एक दिवसीय राज्योत्सव के लिए तीन सदस्यीय कार्यक्रम संचालन समिति का गठन किया गया है। उपयुक्त समिति में जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे, अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह एवं अपर कलेक्टर खेमलाल वर्मा शामिल हैं। अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह को संपूर्ण कार्यक्रम हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर श्री खेमलाल वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी प्रफुल्ल कुमार गुप्ता को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा विभिन्न अधिकारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं।

वीरा का शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन

दुर्ग। सेजस तितुरडीह स्कूल दुर्ग की छात्रा वीरा ठाकुर का राज्य शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। बता दें कि 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता 26 अक्टूबर से खैरागढ़ में आयोजित हो रही है। विद्यालय के कक्षा 6 वीं में अध्ययनरत छात्रा वीरा बालिका 14 वर्ष आयु वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। वीरा रविशंकर स्टेडियम में प्रशिक्षक मुकेश श्रीवास्तव और मीनाक्षी नेताम के मार्गदर्शन में खेल का नियमित अभ्यास कर रही हैं। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य, एस त्रिवेदी, चरनजीत कौर भुल्लर, राजेश मारू, गीता पिल्लई, कनक लता वैद्य, उज्जवला भोंदले, एस कला, डॉ. नवनीत कौर नारद, अनुपमा मेश्राम, श्रद्धा गेडाम, अनुपमा जान, स्वीटी वर्मा, सुमन साहू, नुसरत फातिमा, इबरत आफरीन, यामिनी साहू, मनीषा सैमसंग, ईश्वरी कोसरे, मार्टिना ठाकुर आदि ने शुभकामनाएं दी है।



1.38 करोड़ से लगेंगे 200 से ज्यादा बिजली पोल और 10 नए ट्रांसफार्मर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शहर के 60 वार्डों और नई विकसित हो रही बस्तियों एवं कॉलोनियों में विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केबिनेट मंत्री एवं विधायक गजेन्द्र यादव की पहल पर मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्वीकृति मिली है। दुर्ग नगर संभाग में विद्युत विस्तार कार्यों के लिए 4.25 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के लिए 1.38 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 200 से अधिक नए विद्युत पोल लगाने के साथ 10 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही आवश्यकता के अनुसार विद्युत लाइन विस्तार और पोल शिफ्टिंग के कार्य भी किए जाएंगे। शहर के नागरिकों, पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार नई बस्तियों और कॉलोनियों में बिजली के पोल एवं लाइन विस्तार की मांग की जा रही थी। कई क्षेत्रों में आबादी बढ़ने के बावजूद विद्युत अधोसंरचना के विस्तार की आवश्यकता बनी हुई थी। नागरिकों की इन समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके बाद विभागीय इंजीनियरों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्यों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

मंत्री गजेंद्र यादव की पहल पर मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत मिली स्वीकृति

व्यवस्था सुधारने ईई को निर्देश

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्युत विभाग के सभी जोन के कार्यपालन अभियंताओं को नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार विद्युत पोल, लाइट और अन्य सुविधाओं में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। दुर्ग जिला मुख्यालय होने के कारण शहर में जिलेभर से लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़कों एवं बस्तियों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुचारु विद्युत आपूर्ति नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।



10 नए ट्रांसफार्मर से विद्युत लोड की समस्या होगी दूर

स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में 10 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। इससे संबंधित क्षेत्रों में विद्युत लोड की समस्या कम करने और बिजली व्यवस्था को अधिक सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। वहीं, नई विकसित कॉलोनियों में विद्युत लाइन विस्तार होने से रहवासियों को लंबे समय से हो रही परेशानियों से राहत मिलेगी। गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के आउटर क्षेत्रों में विकसित हो रही कॉलोनियों में विद्युत लाइन विस्तार की मांग लंबे समय से की जा रही थी। नागरिकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए इन कार्यों की स्वीकृति दिलाई गई है। हमारा प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो और नागरिकों को बेहतर विद्युत व्यवस्था का लाभ मिले।

भिलाई और दुर्ग भाजयुमो ने रैली निकालकर दर्ज कराया विरोध

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भाजयुमो ने फूंका पुतला, कहा- कांग्रेस नेताओं में दिख रही हताशा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई/दुर्ग

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के संबंध में की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजयुमो ने पटेल चौक में पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि बयान राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है। कांग्रेस नेताओं द्वारा पूर्व में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। कांग्रेस के भीतर की हताशा और खीझ अब उसके नेताओं की जुबान से सामने आने लगी है। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी के परिवार को निशाना बनाकर। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक संतोष सोनी, विनोद अरोरा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, शिवेंद्र परिहार, मनोज सोनी, अशोक राठी, पवन शर्मा, गिरेश साहू सहित अन्य मौजूद थे। सकारात्मक चर्चा करने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों का सहारा लेने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनके परिवार के विरुद्ध की जाने वाली ऐसी टिप्पणियों का जनता लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देती रही है। कांग्रेस को अपनी भाषा और व्यवहार में संयम रखते हुए राजनीतिक शुचिता का पालन करना चाहिए।

इस अवसर पर भाजयुमो अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि बयान देश की राजनीतिक संस्कृति का अपमान है। राजनीति में विचारों और नीतियों के आधार पर विरोध होना चाहिए, न कि किसी के परिवार को निशाना बनाकर। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक संतोष सोनी, विनोद अरोरा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, शिवेंद्र परिहार, मनोज सोनी, अशोक राठी, पवन शर्मा, गिरेश साहू सहित अन्य मौजूद थे।

दुर्ग में पटेल चौक और भिलाई में सिरसा चौक में प्रदर्शन



भिलाई में सिरसा चौक पर कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

भिलाई। भाजयुमो ने भिलाई-3 स्थित सिरसा गेट चौक पर पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि राजनीतिक आलोचना तथ्यों, तर्कों और जनहित पर आधारित होनी चाहिए। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं और विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संवाद में भाषा की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के बजाय नीतियों और विचारों पर चर्चा करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप है। सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक जीवन में शालीनता एवं संयम बनाए रखना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती विचारों की विविधता, असहमति के सम्मान और स्वस्थ बहस में निहित है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे मर्यादित संवाद के दायरे में बनाए रखना सभी दलों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर भाजयुमो के जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मनोज तिवारी, चिन्ना, परास जंघेल, खिलावन साहू, राधेश्याम वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।



लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के तहत 31 को पदयात्रा



दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 31 अक्टूबर को पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में पदयात्रा के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पदयात्रा के रूट मैप, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंपने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही कार्यक्रम के बेहतर समन्वय और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक तैयारियों पर भी चर्चा हुई। अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा किलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी की ओर से एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर जनता के बीच संवाद स्थापित करना तथा इससे संबंधित विषयों पर जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के माध्यम से आम नागरिकों तक कार्यक्रम का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की तैयारियों में सक्रिय सहभागिता निभाने और आपसी समन्वय के साथ पदयात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की जिला संयोजिका अलका बाघमार, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, विनोद अरोरा, सरिता मिश्रा, शिवेंद्र परिहार सहित अन्य मौजूद थे।

देश का ध्यान भटकाने में जुटे हैं कांग्रेसी : नितेश

दुर्ग। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के संदर्भ में दिए गए आपत्तिजनक बयान का कड़ा विरोध करते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता नितेश साहू ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब वैचारिक दिवालियापन और अमर्यादित भाषा के स्तर तक पहुंच गई है। देश के प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की भाषा का प्रयोग करना न केवल निंदनीय है, बल्कि कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति और उसके नेतृत्व की सोच को भी उजागर करता है। नितेश साहू ने कहा कि खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली कहावत आज कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती है। जनता का विश्वास खो चुकी कांग्रेस अब अपनी हताशा में मर्यादाओं को भी भूलती जा रही है।



उच्च शिक्षा में नवाचार के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला 25 से 27 दिसंबर तक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा में नवाचार और शिक्षा के विभिन्न आयामों पर व्यापक विमर्श के लिए श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी

- 300 से ज्यादा विशेषज्ञ आयोजन में जुटेंगे

में 25, 26 और 27 दिसंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं कार्यकर्ता विकास वर्ग का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 कार्यकर्ताओं की सहभागिता प्रस्तावित है। कार्यशाला में शिक्षाविद्, विषय विशेषज्ञ और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।



कार्यशाला की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति आईपी मिश्रा ने कहा कि कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और विभिन्न ज्ञान-विषयों के बीच समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक आयामों पर सार्थक चर्चा और व्यावहारिक पहल आवश्यक है। बैठक में विश्वविद्यालय के डायरेक्टर विकास डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, कुलसचिव डॉ. वैभव तिवारी, डॉ. स्वर्णली दास पॉल, डॉ. धनेश जोशी, पल्लवी सिंघाड़े, डॉ. गुरमीत और डॉ. अभिषेक सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने भी अपने विचार रखे। सह-संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने कार्यकर्ता विकास वर्ग के प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। डॉ. संजय स्वामी ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। बैठक में आईआईटी के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश, डॉ. अतुल सराफ, रांची से डॉ. पियुष रंजन, जबलपुर से डॉ. निलेश पांडे, औरंगाबाद से डॉ. विशाला शर्मा, कानपुर से डॉ. सुमित गुप्ता और रायपुर से डॉ. दिलीप केशरवानी सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए।

चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक में हुई चर्चा

भिलाई। भिलाई नगर निगम के आगामी चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक रणनीति को लेकर भाजपा पश्चिम मंडल की बैठक महाराणा प्रताप भवन सेक्टर 7 में आयोजित की गई। बैठक में मंडल के समस्त पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों एवं महामंत्रियों, प्रकोष्ठ संयोजकों एवं सहसंयोजकों व शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक व बूथों के बीएलए-2 की उपस्थिति में विभिन्न संगठनात्मक विषयों चर्चा हुई। साथ ही आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों, मतदाता पुनर्निरीक्षण, बूथ समिति के गठन, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने व मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, त्रुटिपूर्ण नामों में सुधार व नियमानुसार नाम विलोपित कराने से संबंधित जानकारी घर-घर तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। बैठक में इन्द्रजीत सिंह खालसा, संजय दानी, चंद्रकांता मांडले, रामकुमार गुप्ता, मनीष पांडे आदि उपस्थित थे। अध्यक्षीय भाषण मंडल अध्यक्ष गोल्डी सोनी और मंच संचालन महामंत्री बी पद्मनाभन, आभार महामंत्री ऋतुराज शर्मा ने किया।

देश की प्रगति और विकास में योगदान के लिए युवाओं की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण, किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में सोमवार को साइंस कॉलेज में युवा संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने युवा नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को

- साइंस कॉलेज में युवा संवाद का आयोजन

लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देने, सूचित भागीदारी को प्रोत्साहित करने और राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की भूमिका को उजागर करने के लिए एक साझा मंच पर एक साथ लाया गया। कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्रों और युवा नागरिकों ने भाग लिया।

राष्ट्रव्यापी विकसित भारत युवा संवाद पहल के तहत 5 नवंबर तक 500 विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम महापौर अल्का बाघमार शामिल हुई। कार्यक्रम में





नेटबॉल मीशा कुमारी, खो-खो के अंकुश सिंह, दीपांशु नेताम सहित खेल आइकन व युवा आइकन उपस्थित रहे। इनकी सहभागिता से कार्यक्रम में सार्वजनिक नेतृत्व, खेलों में उत्कृष्टता और युवाओं की आकांक्षाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार करने का अवसर मिला। बाघमार ने युवाओं की सक्रिय सहभागिता का आव्हान किया और विस्तारपूर्वक एसआईआर के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में महापौर द्वारा एसआईआर एवं मतदान से संबंधित युवाओं के प्रश्नों का जवाब दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों और महापौर के बीच एक संवादात्मक बातचीत थी। कार्यक्रम का समापन लोकतांत्रिक शपथ के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य अजय कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम मे माय भारत से उपनिदेशक नितिन शर्मा, दुर्ग के युवा अधिकारी क्षितिज, ढाल सिंह साहू एवं माय भारत स्वयंसेवक योगेश साहू, मृदुल निर्मल, निखिल कुमार आदि मौजूद थे।

युवाओं की सहभागिता है आवश्यक

युवा संवाद पहल युवाओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं के करीब लाकर, युवा संवाद एक ऐसी पीढ़ी बनाने का प्रयास करता है जो न केवल देश की प्रगति के बारे में जागरूक है बल्कि इसमें सक्रिय रूप से योगदान भी देती है। यह पहल युवा शक्ति को राष्ट्र-निर्माण के केंद्र में रखती है, जो युवा नागरिकों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और जिम्मेदारी की भावना को विकसित भारत-2047 की दिशा में सार्थक योगदान में बदलने के लिए प्रोत्साहित करती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर हुआ आयोजन

वंदेमातरम के उद्घोष की सुमधुर और वीर रस से भरी ध्वनियों के बीच स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन, जाना अपना इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दुर्ग के विवेकानंद उपनगर में युगाब्ध 5128 विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन का आयोजन किया गया। सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित कदमताल करते हुए भाग लिया, जिसे देखने और स्वागत करने के लिए समूचा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर हो गए। शताब्दी वर्ष के विशेष उत्साह के साथ आयोजित इस पथ संचलन में विवेकानंद उपनगर के कोने-कोने से सैकड़ों स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। घोष की सुमधुर और वीर रस से भरी ध्वनियों के बीच स्वयंसेवकों का अनुशासित संचलन जिस मार्ग से भी गुजरा, वहां का वातावरण जय श्रीराम और भारत माता की जय, वंदेमातरम् के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। तरुण, बाल और वरिष्ठ स्वयंसेवकों का यह संगम राष्ट्र प्रथम की भावना को प्रदर्शित कर रहा था। पथ संचलन के स्वागत के लिए वार्ड 53 और 54 के वार्डवासी, मातृशक्ति और युवा वृंद सड़कों पर उमड़ पड़े। जैसे ही स्वयंसेवकों का कारवां आगे बढ़ा, नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर और आरती उतारकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। यह दृश्य समाज और संघ के अटूट रिश्ते को परिलक्षित कर रहा था।



वक्ताओं ने 100 वर्ष के इतिहास से कराया अवगत

वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में संघ के 100 वर्षों की यात्रा, राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों के अवदान और समरस समाज के निर्माण पर बल देते हुए पंच परिवर्तन विषयक उद्बोधन दिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा और तरुण बालक-बालिकाएं राष्ट्रभक्ति के इस महायज्ञ के साक्षी बने। कार्यक्रम को सुचारू और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने में स्थानीय व्यवस्थाओं का विशेष योगदान रहा। इसके लिए शासन-प्रशासन और स्थानीय निकाय द्वारा कराए गए कार्यों का आभार व्यक्त किया गया।

विविध संगठनों एवं स्वदेशी जागरण मंच की भी रही उपस्थिति

इस उत्सव में समाज के विभिन्न सामाजिक और वैचारिक संगठनों ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। विशेष रूप से स्वदेशी जागरण मंच परिवार ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया सनातन संस्कृति और हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने के लिए उमड़ी यह जन समुदाय इस बात का स्पष्ट प्रतीक है कि हमारे पूर्वजों ने राष्ट्र निर्माण का जो बीज बोया था, उसे पुष्पित, पल्लवित और संरक्षित करने की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी ने पूरी निष्ठा के साथ अपने कंधों पर ले ली है। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिधियों और नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। मंच पर मुख्य रूप से लखन लाल साहू, जिला संघचालक गंगाधर जाधव, मुख्य वक्ता सुनील पटेल, उपनगर कार्यवाह संतोष कुमार सिन्हा सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

नशा मुक्ति अभियान से जुड़ेंगे लोक कलाकार, होगा सम्मेलन



दुर्ग। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशा मुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अब छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार भी सहभागी बनेंगे। दुर्ग के एसएसपी विजय अग्रवाल ने कलाकारों और समाजसेवियों के सहयोग से अभियान को व्यापक बनाने की कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत जल्द ही अगासदिया परिसर में लोक कलाकारों और कलादलों के प्रमुखों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें नाचा, पंडवानी और मंच की अन्य विधाओं के माध्यम से नशे के खिलाफ जनजागरण की रणनीति बनाई जाएगी। इस संबंध में एसएसपी विजय अग्रवाल ने साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा, अगासदिया के सहयोगी नीतीश वर्मा और शायर अब्दुल कलाम के साथ चर्चा की। प्रस्तावित अभियान को दुर्ग जिले में सफल रहे साक्षरता अभियान की तर्ज पर जनभागीदारी से आगे बढ़ाने की योजना है। प्रस्तावित अभियान से पद्मश्री डोमार सिंह कुंवर, पद्मश्री उषा बारले, पद्मश्री राधेश्याम बारले, महेश वर्मा, राजेन्द्र साहू, राजेश राजपूत, महंत लीलाधर, आरती बारले, रेणु साहू और चेतन देवांगन सहित अन्य कलाकारों को जोड़ने की योजना है। कलाकारों और कलादलों के प्रमुखों के साथ प्रारंभिक बातचीत हो चुकी है। आगामी सम्मेलन में एसएसपी विजय अग्रवाल के साथ अभियान के स्वरूप, मंचीय प्रस्तुतियों और जनजागरण की व्यावहारिक योजना पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री के पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी से पिछड़ा वर्ग में आक्रोश

अंडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे के द्वारा किए जाने पर छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग संगठन ने कड़े शब्दों में निंदा की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने कहा है कि राजनेता को शोभा नहीं देता। संगठन के अन्य नेताओं में साहू समाज के सोमनाथ साहू, युवा सेन समाज के महासचिव बाला राम सेन, देवांगन समाज के पदाधिकारी रमेश देवांगन, मुकेश देवांगन, कलार समाज के महासचिव राजा जायसवाल, मानिकपुरी समाज उपाध्यक्ष देवदास मानिकपुरी, कुर्मी समाज के संगठन मंत्री गोपाल वर्मा, छत्तीसगढ़ प्रवक्ता एवं सचेतक हीरा लाल निर्मलकर, छत्तीसगढ़ धोबी समाज युवा महामंत्री पिंटू निर्मलकर सहित अनेक नेताओं ने कहा कि दिया गया बयान निंदनीय है।

निधन

पुष्पा उमरेडकर

भिलाई। प्रियदर्शिनी परिसर निवासी पुष्पा उमरेडकर (94) का निधन हो गया। अंतिम यात्रा 27 अक्टूबर को सुबह 11 बजे राम नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व. महादेव बालाजी उमरेडकर की पत्नी, डॉ. गिरीश उमरेडकर, प्रतिभा, नीता, मनीषा की मां थीं।



घनश्याम राज

भिलाई। आदर्श नगर चरोदा निवासी घनश्याम राज का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 अक्टूबर मंगलवार को दोपहर 12 बजे आदर्श नगर चरोदा से दादर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सुनीता राज के पति व पायल, दीक्षा राज के पिता, अशोक राज, किशोर राज के बड़े भाई थे।



विकसित भारत में योगदान का दिया संदेश, युवाओं को दिलाया नशामुक्ति का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ उतई

जिला युवा अधिकारी क्षितिज के मार्गदर्शन में माय भारत दुर्ग के तत्वावधान में ग्राम कातरो स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 'नशा मुक्त भारत-विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम मुख्यातिथि ग्राम के सरपंच एवं प्रथम नागरिक जितेंद्र सोनी, मचांदूर थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर अभिषेक चंद्रा, विद्यालय की प्राचार्य लिलिमा तिवारी उपस्थित रहे। कार्यकम को सफल बनाने में स्वयंसेवक चंदन एवं उमेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कातरों में आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन



नशे से जुड़े अपराधों के बारे में जानकारी दी

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में माय भारत छत्तीसगढ़ के राज्य प्रशिक्षक जितेंद्र सोनी ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरुकता फैलाने तथा नशामुक्त गांव और नशामुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संदेश दिया। साथ ही सभी को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। वहीं मचांदूर थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर अभिषेक चंद्रा ने नशे के दुष्परिणामों और नशे से जुड़े अपराधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर जागरुकता, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए किया प्रेरित

विद्यालय की प्राचार्य लिलिमा तिवारी ने विद्यार्थियों को जागरुकता कार्यक्रमों से जुड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा और जागरूक नागरिकता की भावना विकसित करना रहा। वहीं मास्टर ट्रेनर ढाल सिंह ने समस्त विद्यार्थियों को माय भारत विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराया साथ ही युवाओं को समाजहित के कार्यों में भागीदारी निभाने तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया। रिसोर्स पर्सन प्रेमशंकर ने युवाओं को नशे से दूर रहने एवं समाज में अपनी सक्रिय भागीदारी प्रदान करने की बात कही।

नगर पंचायत पाटन के इंदर नगर तालाब के पास जुआ का अड्डा

दीपावली आते ही पाटन में 52 पत्तों का खेल तेज, रात होते ही सजती हैं जुए की महफिलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही पाटन नगर पंचायत क्षेत्र में कथित रूप से 52 पत्तों के जरिए जुए का खेल तेज होने की चर्चा है। दिनभर शांत रहने वाले कुछ इलाकों में रात होते ही जुआरियों की महफिल सजने की बात सामने आ रही है। स्थानीय स्तर पर चल रही चर्चाओं के अनुसार, रात करीब 10 बजे के बाद जुए का खेल शुरू होता है और देर रात तक दांव लगाए जाते है। ऐसा लगता है कि कोई मदारी अपना खेल दिखा रही होगी इतनी भीड़ हो जाता है की दांव लगाने के लिए इंतजार करना पड़ता है। शौकीन लोगों ने दांव लगा के चक्कर में अपनी मेहनत की कमाई उस जुआ में हार कर अपनी घर लौट जाते हैं और जो बड़े पैसे वाले अंतिम तक टिके रहते हैं। एक जुआरी ने नाम उजागर नहीं करने पर 50 हजार से 1 लाख तक जुआ के बारे में बताया गया और कहां-कहां चलता है इसके बारे में भी पाटन के इंदर नगर व अखरा, अटारी तेलीगुंडरा, खम्हरिया में जुआरी अपनी किस्मत आजमाते हैं। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि जुए के इन कथित ठिकानों पर हर किसी को आसानी से प्रवेश नहीं मिलता। बताया जाता है कि मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क में रहने वाले चुनिंदा लोगों को ही खेलने के लिए बुलाया जाता है। कोई अनजान व्यक्ति वहां पहुंच जाए तो उसे प्रवेश नहीं दिए जाने की बात भी कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि इन गतिविधियों की जानकारी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है, तो संबंधित जिम्मेदारों तक इसकी सूचना क्यों नहीं पहुंच रही है या अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नजर नहीं आ रही है?

रोजाना 50 हजार से एक लाख रुपये तक दांव लगने का दावा

मोबाइल संपर्क से पहुंचते हैं खिलाड़ी

पाटन के इंदर नगर तालाब के आसपास रात के समय जुए की महफिल सजने की चर्चा है। स्थानीय स्तर पर यह भी दावा किया जा रहा है कि यहां प्रतिदिन करीब 50 हजार से एक लाख रुपये तक के दांव लगाए जाते हैं। हालांकि, दांव की रकम और खेल की नियमितता है। नगर के कुछ वार्डों में कथित रूप से इस गतिविधि को संचालित किए जाने की चर्चा भी सामने आ रही है। इन दांवों की जांच होना जरूरी है।



दीपावली में बढ़ती गतिविधियों पर निगरानी जरूरी

दीपावली खुशियों, आपसी मेल-मिलाप और रोशनी का त्योहार है, लेकिन इसी दौरान यदि जुए जैसी गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो यह चिंता का विषय है। जुए की लत कई परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को क्षेत्र में रात्रिकालीन गश्त बढ़ाकर शिकायतों की जांच करनी चाहिए। यदि जुआ संचालित होने की जानकारी मिलती है। तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

अचानकपुर पंचायत की कार्यवाहक सरपंच बनाई गई गायत्री यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत अचानकपुर में सोमवार को पंचों ने सर्वसम्मति से कार्यवाहक सरपंच का चुनाव किया। वार्ड क्रमांक 14 की पंच गायत्री यादव को कार्यवाहक सरपंच चुना गया। उनके चयन से ग्राम पंचायत के रुके हुए विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत अचानकपुर के सरपंच देवानंद साहू सोशल मीडिया पर सतनामी समाज के संबंध में कथित विवादित टिप्पणी करने के आरोप में केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध हैं। सरपंच के जेल में रहने के कारण ग्राम पंचायत के विभिन्न कार्य प्रभावित हो रहे थे। इस स्थिति को देखते हुए पंचों ने एसडीएम पाटन को ज्ञापन सौंपकर प्रभारी सरपंच नियुक्त करने की मांग की थी। पंचों की मांग पर एसडीएम पाटन नीर निधि नंदेहा ने कार्रवाई करते हुए 22 अक्टूबर को सरपंच देवानंद साहू को निलंबित करने तथा प्रभारी सरपंच नियुक्त करने का आदेश जारी किया था।

इसी क्रम में एसडीएम के निर्देश पर सोमवार को जनपद पंचायत पाटन द्वारा वरिष्ठ करारोपण अधिकारी आरएल भुआर्य की उपस्थिति में विधिवत प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान पंचों ने सर्वसम्मति से वार्ड क्रमांक 14 की पंच गायत्री यादव को कार्यवाहक सरपंच चुना। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि पंचायत में लंबित कार्यों का संचालन सुचारू रूप से हो सकेगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।



■ सेलूद सरपंच के जेल में निरुद्ध रहने के बाद पंचों ने सर्वसम्मति से लिया निर्णय

इस मौके पर सचिव कल्याणी बंजारे, सुखी निर्मलकर, धनेश साहू, सत्या निर्मलकर, उर्वशी साहू, ओम कुमारी साहू, मैंना साहू, मनोज कुमार साहू, पुष्पलता निर्मल, कमलेश्वरी साहू, कविता साहू, भारती साहू, टोमन निर्मलकर सहित अन्य उपस्थित थे।

मोदी के नेतृत्व में सक्षम राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा भारत : सांसद विजय



हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम देवादा में 70 लाख रुपये से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सबसे सक्षम राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को अस्थिर करने के प्रयास करने वाले कुछ लोग सक्रिय हैं। इसी तरह गांव-गांव में भी विघ्नसंतोषी तत्व अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना जरूरी है।

■ देवादा में 70 लाख से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

कार्यक्रम में विशेष अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और जनहितकारी कार्य सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक ने की। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा एवं सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता दीदियों एवं गांव को स्वच्छ रखने में सहयोग देने वालों का सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन सरपंच लक्ष्मी वर्मा ने एवं मंच संचालन जागेश्वर चंद्राकर ने किया।

धान खरीदी 1 नवंबर से करे राज्य सरकार : अशोक साहू



पाटन। धान की मिजाई लगभग पूर्ण! ।छत्तीसगढ़ में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी के लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार को अभी से ठोस कार्ययोजना बनानी चाहिए।पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साहू ने कहा कि 16 नवंबर से 31 जनवरी तक की धान खरीदी में लक्ष्य के हिसाब से धान खरीदी असम्भव है।उन्होंने 77 दिनों में मात्र 50 कार्यदिवस का आंकड़ा होता है।विगत वर्षों जैसी परेशानी से किसान अभी से चिंचित है।धान खरीदी में देरी या अव्यवस्था का सीधा असर किसानों पर पड़ता है। टोकन नहीं मिलने, खरीदी केंद्रों में भीड़, सर्वर की समस्या, बारदाने की कमी, तौल में देरी तथा धान के उठाव में परेशानी के कारण किसानों को अनावश्यक इंतजार करना पड़ता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पंजीकृत किसानों का धान निर्धारित समय-सीमा के भीतर खरीदा जाए और किसी भी किसान को अपनी उपज बेचने से वंचित न होना पड़े।धान खरीदी केवल एक सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रदेश के लाखों किसानों की मेहनत और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है। जनपद सदस्य रश्मि भेदप्रकाश वर्मा ने राज्य सरकार से मांग की कि धान खरीदी की अवधि और उपलब्ध कार्यदिवसों की समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्था की जाए। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शनिवार को भी खरीदी केंद्र संचालित करने, जरूरत के अनुसार खरीदी अवधि बढ़ाने, पर्याप्त टोकन जारी करने तथा बारदाने, तौल व्यवस्था, हमालों और भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर निर्णय लिया जाए।

जमीन विवाद व आर्थिक लेनदेन पर जान से मारने की धमकी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

जमीन से जुड़े विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है। शिवनगर, वार्ड क्रमांक 9 निवासी राजकुमार शर्मा ने प्रेस क्लब कुम्हारी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जमीन संबंधी विवाद, कथित मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने के दबाव जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पत्रकारों के सामने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

■ राजकुमार शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताई आपबीती

राजकुमार शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जमीन से संबंधित दस्तावेजों और लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा है। उनके अनुसार, विगत 25 जुलाई 2026 को जमीन के कागजात और नामांतरण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई थी। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमीन के दस्तावेजों को लेकर उन पर दबाव बनाया गया तथा कुछ कागजात पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया गया।

राजकुमार शर्मा के अनुसार, शुरुआत में मामले को पारिवारिक विवाद बताकर आपसी बातचीत से सुलझाने का प्रयास किया गया। हालांकि, उनका कहना है कि कई कोशिशों के बावजूद विवाद का समाधान नहीं निकल सका। इसके बाद उन्होंने 16 सितंबर 2026 को दुर्ग पुलिस अधीक्षक को इसकी लिखित शिकायत दी। उन्होंने बताया कि मामले को खुर्सीपार थाने के संज्ञान में भी लाया गया, लेकिन उनके मुताबिक अब तक उन्हें अपेक्षित परिणाम नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि जमीन से संबंधित दस्तावेजों और कथित दबाव के मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।



विवाद होने की जानकारी दी

शिकायतकर्ता ने अमलेश्वर स्थित एक मकान को लेकर भी विवाद होने की जानकारी दी। राजकुमार शर्मा का कहना है कि उनका मकान पर नियमित आना-जाना था, इसलिए इस घटनाक्रम से उन्हें परेशानी हुई। 19 सितंबरको मकान पर ताला लगाए जाने की जानकारी मिलने के बाद 21 सितंबर को उन्होंने भी ताला तोड़ा। 25 जुलाई को अपने घर खुर्सीपार में बुलाकर किसी अन्य की जमीन पर मुझपर दबाब बनाते हुए योजनाबद्ध तरीके से कुछ सादा कागज और कोरे स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर ले लिए। इनके द्वारा मुझे झूठे केस में फंसाने की कोशिश की जा रही है तथा मुझे और मेरे परिवार वालों को समाज एवं परिवार वालों के समक्ष ठेस पहुंचाया जा रहा है। राजकुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि 10 अक्टूबर 2026 को उन्हें फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद 22 अक्टूबर फोन कर कुम्हारी में बुलाया।

घुघुवा में 'मन की बात' के बाद संगठनात्मक बैठक

सेलूद/पाटन। ग्राम घुघुवा शक्ति केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 139वीं कड़ी का प्रसारण सुना गया, जिसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की भागीदारी रही। प्रसारण के तुरंत बाद शक्ति केंद्र की विशेष बैठक बुलाई गई। इसमें आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में पाटन मंडल उपाध्यक्ष व शक्ति केंद्र प्रभारी हर प्रसाद आडिल, नरेश राम निषाद, जितेंद्र चंद्राकर, मुकेश कुमार साहू, मेहतर वर्मा, शिव बंजारे, प्रतीक कुमार सिंह, भोज कुमार, चूड़ामणि साहू, थानेश्वर प्रसाद साहू, चेलाराम, गेंदराम, चेतन लाल, राजेश कुमार, विजय कुमार, तीरथ साहू, प्रसाद निषाद, विद्यासागर निषाद, सरिता साहू, देव कुमारी साहू एवं पूनम शर्मा उपस्थित थे।



कार्यालय राजस्व निरीक्षक सिकोला दुर्ग (छ.ग.)

प्रेस - विज्ञापन

विषयः- सीमांकन बाबत्।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार के आ. क्र. 260, दिनांक 02/02/2026, के पालन में ग्राम सिकोला, प.ह.न. 17, रा.नि.मं. सिकोला स्थित भूमिस्वामी गौरव कुमार यादव, पिता सतीश कुमार यादव, निवासी लादम्बरी नगर, दुर्ग, द्वारा आवेदित ग्राम सिकोला, स्थित भूमि खसरा नं. 202/202, रकबा 0.019 है. का सीमांकन किया जाना है, जिसकी चौहद्दी सीमा उत्तर में 30 फीट रास्ता, दक्षिण में मदन शर्मा की जमीन, पूर्व में श्रद्धा श्रीवास्तव का प्लाट, तथा पश्चिम में देवांगन जी की जमीन स्थित है। उक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 29/10/2026 को पूर्वान्ह / अपरान्ह 11:30 बजे किया जावेगा।

उक्त खसरा नं. के जितने टुकड़े हुए है, उन भूमिस्वामीयों को उस खसरा नं. भूमि में कोई भी भूमि स्वामी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आउट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा / आपत्ति पेश कर सकते है। तत् पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक 26/10/2026.

राजस्व निरीक्षक
सिकोला
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक सिकोला दुर्ग (छ.ग.)

प्रेस - विज्ञापन

विषयः- सीमांकन बाबत्।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार के आ. क्र. 261, दिनांक 02/02/2026, के पालन में ग्राम सिकोला, प.ह.न. 17, रा.नि.मं. सिकोला स्थित भूमिस्वामी पारस कुमार यादव, पिता सतीश कुमार यादव, निवासी लादम्बरी नगर, दुर्ग, द्वारा आवेदित ग्राम सिकोला, स्थित भूमि खसरा नं. 202/367, रकबा 0.021 है. का सीमांकन किया जाना है, जिसकी चौहद्दी सीमा उत्तर में 30 फीट रास्ता, दक्षिण में मदन शर्मा की जमीन, पूर्व में 15 फीट रास्ता, तथा पश्चिम में श्रीमती परमिला बाई साहू की जमीन स्थित है।

उक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 29/10/2026 को पूर्वान्ह / अपरान्ह 11:30 बजे किया जावेगा। उक्त खसरा नं. के जितने टुकड़े हुए है. उन भूमिस्वामीयो को उस खसरा नं. भूमि में कोई भी भूमि स्वामी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आउट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। तत् पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक 26/10/2026.

राजस्व निरीक्षक
सिकोला
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

सुपेला अंडरब्रिज रोड पर दुर्घटना का अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

घड़ी चौक -सुपेला अंडरब्रिज रोड के जर्जर होने से दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है। आकाशगंगा काम्प्लेक्स के निकट सड़क पर बड़े बड़े गट्ढे हो गई हैं ।

तारकोल उखड़ने से दोपहिया गाड़ियां पंचर भी रही हैं। व्वायसायियों ने बताया कि बताया कई बार नगर निगम में शिकायत करने के बाद भी यहां सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। आए दिन शाम को ट्रैफिक जाम के साथ छिटपुट दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा यहां बेरिकटिंग रख कर काम चलाया जा रहा है। लेकिन निगम को गड्ढों को भरने की फुरसत नही है।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्कॉउंट उपलब्ध



दुर्ग। दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स की अनगिनत डिजाइन लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। संचालक श्री सोनी ने बताया कि उनहोंने अपने यहां मासिक ई योजना चालू की है। इसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि उनके यहां घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध है। ग्राहक अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट घर से भी दे सकता है। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। पुराने गहने को बिना वजन घटे नया बनाने का काम भी ओम ज्वेलर्स करता है। ज्वेलरी रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है। आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के हॉलमार्क गहने उपलब्ध हैं। उन्हें यहां पूरे शहर से कम दाम पर ज्वेलरी उपलब्ध है। 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपोर्टेंट वॉच, जितना सोना उतनी चांदी फ्री दी जाती है।



खबर संक्षेप

टेलर दुकान में लगी आग

भिलाई। टेलर दुकान में अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया है। मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर 6 सी मार्केट के टेलर एवं कपड़े दुकान में आग लग गई। सूचना पर करीब डेढ़ घंटे लेट दमकल की टीम पहुंची। तेज आग से टेलर दुकान में आग से कई कपड़े जल गए। आगजनी में बीएसपी का दमकल भी देर से पहुंचा था। समय पर दमकल पहुंचती तो कई सामान जलने से बच जाता। लेकिन देर होने से टेलर दुकान का सारा कपड़ा जलकर खाक हो गया।

संचालक पदों के लिए 2 नामांकन 12 को मतदान

भिलाई। बीएसपी कर्मचारी दैनिक यात्री सहकारी सायकल एवं स्कूटर स्टैण्ड, भिलाई पावर हाउस दुर्ग के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सहकारी निर्वाचन के आदेश के तहत समिति के संचालक मंडल के चुनाव के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया है। रिटर्निंग अधिकारी पारूल श्रीवास्तव ने बताया कि समिति के संचालक मंडल में कुल 9 सदस्यों का निर्वाचन किया जाना है। इनमें सामान्य वर्ग के 6 पद (इसमें से महिला वर्ग हेतु आरक्षित 2 पद), अन्य पिछड़ा वर्ग के 2 तथा अनुसूचित जाति वर्ग का 1 पद शामिल है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए कोई पद निर्धारित नहीं है। वहीं 2 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संस्था कार्यालय पावर हाउस में नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी, जबकि 3 नवम्बर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा में एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन होगा। 4 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक संस्था कार्यालय पावर हाउस में नामांकन पत्रों की वापसी, उम्मीदवारों के सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों आबंटन किया जाएगा। 12 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक कार्यालय में मतदान होगा। चुनाव समाप्त होने के आधे घण्टे बाद मतगणना शुरू होगी। 13 नवंबर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों के निर्वाचन की सूचना जारी होगी। 16 नवम्बर प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक संस्था कार्यालय पावर हाउस में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों का निर्वाचन होगा।

ठंड के मौसम ने दी दस्तक, मैत्रीबाग जू में पर्यटकों का बढ़ा रोमांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

मैत्रीबाग चिड़ियाघर में ठंडी के दस्तक देते ही पर्यटकों की आमद बढ़ने के साथ वन्य प्राणियों का भी रोमांच बढ़ गया है। बारिश के दिनों में अपने कैज में सिमटे रहने वाले पक्षियों और जानवरों की अब चपलता और उछलकूद देख सैलानी उत्सुक हो रहे हैं। आकर्षक मोर और वाइट टाईगर आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

चार महीने तक बरसात के मौसम के दौरान मैत्रीबाग में खुले मौसम में ही अधिक पर्यटक आ रहे थे। लेकिन सर्दी के शुरु होते ही पिछले हफ्ते दिस दिन से यहां ट्विनसिटी और आसपास से लोगों की आमद बढ़ रही है। जो जानवर और परिंदे भी बारिश में अपने एनक्लोजर या कैज में दुबके रहते थे, अब खुशनुमा मौसम में मस्ती से उछलकूद कर रहे हैं। अपने बाड़ों में हिरणों की कुलांचें और वाइट टाइगरों की धमाचौकड़ी बढ़ गई है। मैत्रीबाग सौ से अधिक हिरण और 5 सफेद बाघ हैं। पर्यटक इनका भरपूर नजारा कर अपने मोबाईल कैमरों में कैद कर रोमांचित हो रहे हैं। पाटन से परिवार के साथ पहुंचे रमेश देवांगन ने बताया कि वाइट टाईगरों की धमाचौकड़ी देख बच्चे खासे खुश हैं। यहां और आकर्षक जानवरों को लाने की जरुरत है।

बारिश में सिमटे रहने वाले जानवरों की अब बढ़ी उछलकूद



हफ्तेभर बाद से स्कूली बच्चों के पिकनिक टूर की होगी धूम

मैत्रीबाग में हफ्तेभर बाद से नन्हें पर्यटकों की आमद बढ़ जाएगी। हर साल यहां ईयर एंड में लोगों की भीड़ बढ़ने के साथ स्कूली बच्चों की भी पिकनिक पार्टी की धूम होती है। इस साल भी ट्विनसिटी के कई स्कूल के बच्चों को यहां भ्रमण पर लाने की तैयारी है। भिलाई दुर्ग के अलावा प्रदेश के अन्य स्थानों से भी स्कूलों की टीम यहां घूमने के लिए आते है। बच्चों के लिए मैत्रीबाग मनोरंजन के साथ जू एजूकेशन की दृष्टि से भी अहम है।

आकर्षण का केंद्र बने व्हाइट टागर और मोर

मैत्रीबाग का बड्र्स काम्पलेक्स भी परिंदों की चहचहाहट से गूंज रहा है। यहां खूबसूरत मोर और पेलिकान बड्र्स बच्चों व यंगस्टर के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। खुशनुमा मौसम में नृत्य करते मोर के कैज के सामने लोग सेल्फी लेते हुए दिखाई देते हैं। जू में पांच मयूर हैं। वहीं अपने पोखर में पंखों को फैलाकर पानी के बाहर हवाबाजी करते पेलिकान बड्र्स भी पर्यटकों के कौतुहल के का सबब बने हुए हैं। यहां यहां 11 पेलिकन हैं।

थम गई बहुभाषीय नाट्य स्पर्धा सहित रंगमंचीय गतिविधियां

शहर का सबसे बड़ा से.1 ऑडिटोरियम नेहरु सांस्कृतिक भवन दो साल से बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

टाउनशिप के सांस्कृतिक आयोजनों के मुख्य आडिटोरियम सेक्टर 1 स्थित नेहरु सांस्कृतिक भवन के दो साल से बंद होने से कलाकारों सहित विभिन्न संगठनों को परेशान होना पड़ रहा है। नाटकों सहित विभिन्न आयोजनों के लिए नाट्य संस्थाओं और कई संगठनों के लोगों को भटकना पढ़ रहा है। सभागार को अब तक नहीं खोले जाने से का सबसे ज्यादा असर रंगमंचीय आयोजन पर पड़ रहा है। कलाकारों ने

- कलाकारों ने बीएसपी से की जल्द मरम्मत कर खोले जाने की मांग

बीएसपी प्रबंधन से इसे जल्द मरम्मत कर खोले जाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि 50 साल पुराना नेहरु सांस्कृतिक भवन भिलाई का ही नहीं बल्कि जिले का सबसे अनूठा और भव्य आडिटोरियम है। पिछले कई साल से इसकी मरम्मत नहीं होने से जर्जर हो गया है। करीब दो साल पूर्व बीएसपी द्वारा इस भवन को मरम्मत कराने के नाम पर ताला जड़ दिया गया है। कलाकारों ने बताया कि इस दौरान भवन में न तो कोई मरम्मत कार्य चल रहा है और न ही इसे अब तक खोला ही गया है। चौदह सौ दर्शक क्षमता वाले इस प्रसिद्ध आडिटोरियम में पिछले 50 साल के दौरान बीएसपी के नेहरु पुरस्कार और प्रधानमंत्री ट्राफी के स्टूटेंट्स को स्कांलरशिप वितरण समारोह व भिलाई महिला समाज का स्थापना दिवस सहित अखिल भारतीय नाट्य स्पर्धा व बीएसपी की बहुभाषीय नाट्य प्रतियोगिता से सहित इप्टा व कई नाट्य संगठनों के नियमित नाटकों व विविध कार्यक्रम होते रहे हैं। लेकिन पिछले दो साल से इसे बंद कर दिए जाने से कलाकारों व अन्य संगठनों को आयोजनों के लिए भटकना पड़ रहा है। शहर में दर्जनभर रंगमंच संगठन हैं लेकिन बीएसपी की बहुभाषीय नाट्य प्रतियोगिता सहित अन्य संगठनों के नाट्य आयोजन लगभब बंद हो चुके हैं। कलाकारों ने बताया कि इस भवन को बीएसपी द्वारा कला को प्रोत्साहित करने नामिनल चार्ज पर दिया जाता था। नेहरु भवन को जल्द रिनोवेट कर खोले जाने की मांग की गई है।

कहां हो नाट्य और अन्य सांस्कृतिक आयोजन, हो रही परेशानी



भटक रहे कलाकार

नेहरु हाउस के दो साल से बंद होने से सांस्कृतिक आयोजनों के लिए कई संगठनों को परेशानी रही है। इतना बड़ा सभागार शहर में नही होने से स्कूलों के छोटे हाल में आयोजन करने मजबूर होना पड़ रहा है। नेहरु भवन शहर के मध्य यानी सेक्टर 1 में होने से लोगों को सुविधा होती है। यहां नाटकों सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा कई स्कूलों के एनुअल डे के आयोजन भी होते थे। लेकिन इस भवन के बंद हो जाने से आयोजकों व कलाकारों में निराशा के साथ रंगमंचीय गतिविधियां नगण्य हो गई हैं।

रिवाल्विंग स्टेज वाला इकलौता प्रेक्षागृह

अंचल में भव्य व अनूठे नेहरु भवन का रिवाल्विंग स्टेज को 5 साल पूर्व हटा दिए जाने से प्लेन मंच ऊबड़ खाबड़ हो गया था। दीवारों के अनुकूल साउंडप्रूफ वाले प्लाई भी निकाल दिए जाने से मंच की आवाज गूंजने लगी थी। 50 साल पुराना बीएसपी का नेहरु भवन पिछले लंबे समय से मरम्मत नहीं होने से पिछले जर्जर हो चला है। भवन की दीवारें, स्लैब के हिस्से, कक्षों की दीवारें व खिड़की, दरवाजे आदि टूट फूट की स्थिति में हैं। कलाकारों ने बताया कि नेहरु भवन भिलाई की सांस्कृतिक धरोहर है। इसे रुप में जल्द रिनोवेट कर फिर से बंद पड़ी सांस्कृतिक गतिविधियों को बीएसपी को शुरु करवाने की जरुरत है।

जनदर्शन में नागरिकों की समस्याओं से रूबरू हुईं नगर निगम आयुक्त

आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश



हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान नागरिकों ने मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी मांगों और शिकायतों के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। निगम आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

- पेयजल, सड़क, नाली और सफाई से जुड़ी शिकायतें लेकर पहुंचे नागरिक

निगम मुख्यालय के सभागार कक्ष में आयोजित जनदर्शन में उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों से आए नागरिकों ने व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। इनमें पेयजल, साफ-सफाई, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित शिकायतें और मांगें शामिल थीं। निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। आयुक्त ने मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनके समयबद्ध निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समाधान करना निगम प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है। जनदर्शन के दौरान प्राप्त आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजने की प्रक्रिया की गई। निगम प्रशासन के अनुसार, नागरिकों की मांगों और शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अब जेआरडी स्कूल मैदान में लगेंगी अस्थाई पटाखा दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दीपावली के लिए अस्थाई पटाखों की दुकान इस बार भी जेआरडी स्कूल मैदान में लगेंगी। इसके लिए निगम ने तैयारी शुरू कर दी है।

- लाइसेंस जमा करने का आज अंतिम दिन

27 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक आवेदन जमा लिए जाएंगे। इसके बाद अगले दिन यानी 28 अक्टूबर को सुबह 12 बजे लाटरी से दुकानों का आवंटन किया जाएगा। दीपावली के दौरान फटाका विक्रय के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्धारित नियमों एवं शर्तों के तहत अस्थायी दुकानों का आवंटन किया जाएगा।

नगर निगम ने संबंधित आवेदकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन जमा करने तथा लॉटरी प्रक्रिया में निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित रहने की अपील की है। फटाका दुकानों के संचालन एवं आवंटन के संबंध में शेष नियम एवं शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

पिछली बार पुरानी गंजमंडी के पास भी दी थी मंजूरी

पिछली बार निगम ने पुरानी गंजमंडी के सामने सड़क किनारे भी अस्थाई पटाखा दुकान लगाने की अनुमति जारी कर दी थी। इसके बाद विवाद की स्थिति बनी थी। लंबे समय से जेआरडी स्कूल मैदान में दुकान लगाने वालों ने इसका विरोध भी किया था। इसके अलावा फायर सेफ्टी विभाग ने भी आफत्ति दर्ज कराई थी। यह जगह शहर की मुख्य सड़कों में से एक है। इसके अलावा यहां वाहनों की आवाजाही के साथ बसाहट भी है। बावजूद इसके सारे नियम-कायदों को ताक पर रखकर अनुमति जारी कर दी गई थी। इस बार व्यापारियों ने पहले से ही आपत्ति दर्ज करा दी है।

राजनीतिक विरोध अपनी जगह लेकिन प्रधानमंत्री के पिता पर टिप्पणी करना अनुचित : मनीष

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके पिता को लेकर की



गई कथित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध के नाम पर किसी के माता-पिता और परिवार को निशाना बनाना भारतीय संस्कृति और सार्वजनिक जीवन की मर्यादाओं के विपरीत है। मनीष पाण्डेय ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों की लड़ाई होनी चाहिए, व्यक्तिगत और पारिवारिक टिप्पणियों की नहीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे वरिष्ठ पद पर बैठे व्यक्ति से देश की युवा पीढ़ी जिम्मेदार भाषा और सकारात्मक राजनीतिक संवाद की अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्णयों, योजनाओं और नीतियों पर कांग्रेस सवाल उठाए, यह उसका लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन राजनीतिक असहमति को परिवार तक ले जाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

वीटीएस और सर्वर की दिक्कतों से जूझ रहे हैं अनेक ट्रांसपोर्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर वाहनों की आवाजाही में आ रही समस्याओं को लेकर भिलाई ट्रक ट्रेलर परिवहन संघ के पदाधिकारियों ने सीआईएसएफ मुख्यालय, भिलाई में उपमहानिरीक्षक चंदन झा से मुलाकात की। बैठक में वाहन निगरानी प्रणाली, सर्वर संबंधी तकनीकी समस्याओं तथा वाहनों की प्रवेश और निकासी प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों से अवगत कराया गया। संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने संयंत्र के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर ट्रांसपोर्टरों और वाहन चालकों को होने वाली परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने वाहन निगरानी प्रणाली और सर्वर में आ रही समस्याओं के साथ ही वाहनों के प्रवेश और निकासी की प्रक्रिया में होने वाली बाधाओं की जानकारी दी। बैठक में इन समस्याओं के निराकरण और परिवहन व्यवस्था को सुचारु बनाने के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उद्देश्य यह



- भिलाई स्टील प्लांट के गेटों पर इन-आउट समस्या दूर करने की मांग

रहा कि संयंत्र के प्रवेश द्वारों पर तकनीकी दिक्कतों और अन्य बाधाओं को दूर कर वाहनों की आवाजाही बेहतर बनाई जा सके तथा ट्रांसपोर्टरों को होने वाली परेशानियों में कमी आए। बैठक में सीआईएसएफ कमांडेंट कुंवर बहादुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, भिलाई ट्रक ट्रेलर परिवहन संघ की ओर से महासचिव मलकीत सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल चौधरी, संरक्षक महेंद्र सिंह, बलजिंदर सिंह और सचिव शाहनवाज़ कुरैशी उपस्थित थे।

चक्रवात और अतिवृष्टि की आशंका से भिलाई निगम अलर्ट मोड पर

भिलाई। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई प्रशासन सतर्क हो गया है। संभावित अतिवृष्टि के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति से निपटने और बरसाती पानी की निकासी सुचारू बनाए रखने के लिए निगम क्षेत्र में नालियों और पुलियों की साफ-सफाई का विशेष अभियान शुरू किया गया है। मौसम विभाग ने चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना जताई गई है। इसके संभावित प्रभाव को देखते हुए भिलाई निगम ने एहतियाती तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगम आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार संबंधित क्षेत्रों में नालियों और पुलियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बारिश के दौरान नालियों में कचरा और गाद जमा होने से पानी की निकासी प्रभावित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा नालियों एवं पुलियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बारिश के पानी को सुचारू रूप से निकालना और संभावित जलभराव की स्थिति को रोकना है।

बीआरएम की टीम ने सीसीक्यूसी में जीता गोल्ड



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल की टीम सारथी ने शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस में आयोजित चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स (सीसीक्यूसी) में गोल्ड अवार्ड प्राप्त किया। टीम ने अपने प्रोजेक्ट की प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की। टीम सारथी के सदस्यों में फैसिलिटेटर अनिल कुमार द्विवेदी सदस्य धनराज साहू, शुभम शिंदे, कुंतेलाल, यशवंत कुमार व आशीष शामिल थे। इस उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने टीम के सदस्यों को सम्मानित किया। महाप्रबंधक आशीष, शाश्वत मोहंती, समीर पांडे, शिखर तिवारी और तुषार श्रीखंडे भी उपस्थित थे।

कचांदुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दो घंटे का सांकेतिक प्रदर्शन

14 साल से ग्रेड पे की मांग कर रहे नर्सिंग कर्मचारी, 18 से आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों के वेतनमान में विसंगति दूर करने, ग्रेड पे लागू करने और संविदा व दैनिक वेतनभोगी नर्सिंग कर्मचारियों को नियमित करने की मांग

- संविदा और दैनिक वेतनभोगी नर्सों के नियमितीकरण की भी मांग

को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ ने आंदोलन तेज कर दिया है। सोमवार को चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अस्पताल



परिसर, कचांदुर में नर्सिंग कर्मचारियों ने दो घंटे का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर उचित निर्णय नहीं होने पर 18 नवंबर से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। एसोसिएशन के अनुसार, चिकित्सा शिक्षा विभाग में छठे केंद्रीय वेतनमान का लाभ अधिकारी वर्ग, चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों को दिया गया, लेकिन नर्सिंग संवर्ग इससे वंचित रहा। इस वेतन विसंगति को दूर करने के लिए नर्सिंग कर्मचारी पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। संगठन का कहना है कि लंबे समय से मांग उठाने के बावजूद अब तक इसका समाधान नहीं हुआ है। एसोसिएशन ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर ग्रेड पे वेतनमान लागू करने के संबंध में 30 जनवरी 2026 को प्रस्ताव तैयार किया गया था। हालांकि, संगठन का आरोप है कि इस प्रस्ताव के साथ 30 जून 2021 को तैयार वर्ष 2018 की कमेटी की रिपोर्ट से संबंधित अमान्य प्रस्ताव की प्रति संलग्न कर नए प्रस्ताव को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। एसोसिएशन ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए संबंधित प्रस्ताव पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है। संगठन ने सितंबर में प्रस्तुत आवेदन पर भी शासन से सार्थक पहल करने की अपेक्षा जताई है।

डिग्रीधारी नर्सों के वेतनमान पर भी आपत्ति

एसोसिएशन का कहना है कि चार वर्षीय डिग्रीधारी स्टाफ नर्सों को एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम से संबंधित कर्मचारियों के समकक्ष वेतनमान देना उचित नहीं है। इसी तरह, दैनिक वेतनभोगी स्टाफ नर्सों को गार्ड और सफाई कर्मचारियों के समान वेतनमान दिया जाना नर्सिंग जैसे तकनीकी और महत्वपूर्ण पेशे की गरिमा के अनुरूप नहीं है। संगठन ने नर्सिंग संवर्ग की वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने के साथ ग्रेड पे लागू करने और संविदा तथा दैनिक वेतनभोगी नर्सिंग कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग दोहराई है। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन ने मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया, तो पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 18 नवंबर 2026 से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। एसोसिएशन ने शासन से समय रहते मांगों पर गंभीरता से विचार कर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है, ताकि नर्सिंग कर्मचारियों को अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए मजबूर न होना पड़े।



हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129



लाइव इवेंट

संविद में संस्कृति, खेल और वैश्विक विमर्श से गूंजा परिसर, झूमते रहे विद्यार्थी

भिलाई। श्री शंकराचार्य संस्थान, भिलाई में आयोजित संविद 2026 युवाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का साझा मंच बनाया गया। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं, पत्रकारिता गतिविधियों और बौद्धिक विमर्श ने परिसर को उत्साह और उमंग से भर दिया। वहीं एल अवेनिर न्यू जनरेशन समिट 2026 के अंतर्गत आयोजित द ग्लोबल टर्मिनल मॉडल यूनाइटेड नेशंस में युवाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीर चर्चा की। फनोलॉजी द्वारा आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस के दूसरे दिन 200 से अधिक प्रतिनिधियों और 18 कार्यकारी मंडल सदस्यों ने भाग लिया। महासचिव नारायणी मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में लोकसभा, छत्तीसगढ़ विधानसभा, अखिल भारतीय प्रभावशाली व्यक्तित्व सम्मेलन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र महिला सहित छह समितियों में चर्चा हुई। संवैधानिक अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल नैतिकता और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा जैसे विषयों पर प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। संवाद और वाद-विवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को तार्किक चिंतन, कूटनीतिक संवाद और निर्णय क्षमता विकसित करने का अवसर मिला।



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों व खेलों ने बांधा समां

संविद के सांस्कृतिक मंच पर विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य और विविध कलात्मक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहा। वहीं, खेलकूद प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लिया। मैदान में टीम भावना और बेहतर प्रदर्शन का जज्बा दिखाई दिया। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ सहयोग, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर दिया।



पत्रकारिता से लेकर संगीत तक दिखा उत्साह

रॉयटर्स इंटरनेशनल प्रेस कॉर्प्स के अंतर्गत प्रतिभागियों ने छायांकन, लघु वीडियो निर्माण और पत्रकारिता के माध्यम से आयोजन की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। इससे उन्हें समाचार संकलन और दृश्य संप्रेषण का व्यावहारिक अनुभव मिला। दिनभर की गतिविधियों के बाद डीजे अमीन जैज की ऊर्जावान प्रस्तुति ने शाम को यादगार बना दिया। संगीत की धुनों पर झूमते युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में श्री गंगाजली एजुकेशनल सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. जया मिश्रा, विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. स्मिता सेलट, कुलसचिव डॉ. वैभव तिवारी, डायरेक्टर डेवलपमेंट डॉ. सुशील चंद्र तिवारी और एसएसटीसी के डायरेक्टर डॉ. पी.बी. देशमुख सहित प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिटी इवेंट

11वें अखिल भारतीय सम्मेलन में तेलुगुभाषी दिखाएंगे जनबल



भिलाई। आंध्र एसोसिएशन, रायपुर की स्वर्ण जयंती पर नवंबर 21 और 22 तारीख को 11वें अखिल भारतीय तेलुगु सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। रायपुर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के तेलुगु समाज के प्रतिनिधि, विद्वान, प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और ख्यातिप्राप्त कलाकार जुटेंगे। सम्मेलन में तेलुगु भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। इस आयोजन में भिलाई-दुर्ग क्षेत्र से भी सैकड़ों लोगों के शामिल होने की संभावना है। यह सम्मेलन केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में निवासरत लगभग आठ लाख तेलुगुभाषियों की सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक शक्ति को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर भी होगा।

तेलुगु समाज को मिलेगा साझा मंच

आयोजकों का उद्देश्य देशभर में फैले तेलुगु समाज को एक साझा मंच प्रदान करना, अपनी समृद्ध विरासत को संरक्षित करना और नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा एवं परंपराओं से जोड़ना है। सामाजिक दृष्टि से भी इस सम्मेलन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में भिलाई-दुर्ग की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बालाजी मंदिर परिसर स्थित आंध्र भवन के कंट्रोल रूम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें आंध्र एसोसिएशन, रायपुर के अध्यक्ष जी. स्वामी एवं सचिव टी. श्रीनिवास रेड्डी ने आंध्र साहित्य समिति के अध्यक्ष पी.वी. राव, सचिव पी.एस. राव तथा भिलाई के विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों को सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

भिलाई से सैकड़ों लोगों के पहुंचने की तैयारी

बैठक में छत्तीसगढ़ अग्निकुल क्षत्रिय समाज, गंजाम अग्निकुल क्षत्रिय समाज, प्रजा सेवा समिति, तेलुगु यादव समिति, वाड़बलिजा जातीय संघम, तेलुगु स्वर्णकार समाज, कलांजलि नाट्य संस्थान, भिलाई तेलुगु समाज, श्रीसाईंनाथ जन सेवा समिति और कोदंडा रामालयम सहित लगभग 16 संगठनों के 60 से अधिक प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में भिलाई-दुर्ग से बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से रायपुर पहुंचने की व्यवस्था पर भी विचार-विमर्श किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान आयोजित सांस्कृतिक संध्याएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इनमें पारंपरिक नृत्य, संगीत, नाट्य प्रस्तुतियों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से तेलुगु समाज की कला एवं परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

● रामनगर में राष्ट्र सेविका समिति के विजयादशमी उत्सव ने जगाया राष्ट्रभक्ति का भाव

सड़कों पर रंगोली, फूलों की वर्षा और बैंड-ढोल के साथ निकला सेविकाओं का पथ संचलन, दंड-योग से दिया आत्मरक्षा व अनुशासन का संदेश

भिलाई। सड़कों पर सजी रंगोलियां, घरों से निकलकर स्वागत करते लोग, भगवा ध्वज पर बरसते फूल और हाथों में मोबाइल लेकर इस अनूठे दृश्य को कैमरे में कैद करते नागरिक। बैंड और ढोल-ताशों की गूंज के बीच कदम से कदम मिलाकर अनुशासन के साथ आगे बढ़तीं महिलाएं और बच्चियां। रामनगर, शांतिनगर और आसपास के क्षेत्रों में यह दृश्य विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति के पथ संचलन का था, जिसने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति और उत्साह के रंग में रंग दिया। जगह-जगह नागरिकों ने रंगोली सजाकर और पुष्पवर्षा कर सेविका बहनों का स्वागत किया। लोगों के लिए यह केवल एक रैली नहीं, बल्कि महिलाओं के संगठन, साहस, संस्कार और सामूहिक शक्ति का अद्भुत नजारा रहा। उत्साह ऐसा कि कई लोग इस पल को तस्वीरों और वीडियो में सहेजते नजर आए। राष्ट्र सेविका समिति, भिलाई-दुर्ग नगर का वार्षिक विजयादशमी उत्सव गायत्री मंदिर प्रांगण, रामनगर, सुपेला में आयोजित किया गया। समिति के 90 वर्ष पूरे होने के विशेष अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक सशक्तीकरण के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का संदेश दिया। समिति की स्थापना वर्ष 1936 में वंदनीय लक्ष्मीबाई केलकर ने विजयादशमी के दिन की थी। संगठन महिलाओं में राष्ट्रभाव, आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है।





बैंड-ढोल के साथ कदमताल फिर दिखाया शारीरिक कौशल

पथ संचलन में सेविका बहनें पूरे अनुशासन और एकरूपता के साथ आगे बढ़ीं। बैंड और ढोल-ताशों की लय के बीच उनके कदमों की ताल ने वातावरण में उत्साह भर दिया। रामनगर क्षेत्र में नागरिकों ने अपने घरों के सामने और सड़कों पर रंगोलियां बनाईं। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद मंदिर परिसर में दीप प्रज्ज्वलन और शस्त्र पूजन के साथ मंचीय कार्यक्रम शुरू हुआ। सेविकाओं ने गण क्षमता, योग-व्यायाम, यष्टि, दंड, नियुद्ध, भूमि वंदन और मनोरे सहित शारीरिक प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। महिलाओं और बच्चियों ने इन अभ्यासों के माध्यम से शारीरिक दक्षता, आत्मरक्षा, सामूहिक समन्वय और अनुशासन का परिचय दिया।

वीरांगनाओं के योगदान को नृत्य-नाटिका से किया जीवंत

कार्यक्रम में जीजाबाई और अहिल्याबाई होलकर जैसी प्रेरणादायी महिलाओं के योगदान को नृत्य-नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इन प्रस्तुतियों ने राष्ट्र और समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीएसपी की उप प्रबंधक अभिलाषा पेठे ने सेविकाओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि युवतियों का स्वप्रेरणा से संगठन और समाज के लिए आगे आना प्रेरणादायी है। उन्होंने माताओं से बेटियों को राष्ट्र सेविका समिति से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने प्रेरित किया।



महिलाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील

मुख्य वक्ता एवं समिति की प्रांत संपर्क प्रमुख मीना नशीने ने संगठन की 90 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर प्राकृतिक आपदाओं और कोरोना काल तक सेविका बहनों ने सेवा कार्यों में योगदान दिया है। उन्होंने महिलाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम् के सामूहिक गायन और भारत माता की आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. मानसी गुलाटी, विनीता मनीष पांडे, डॉ. सविता, ललित मोहन और राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख अश्विनी नागले सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन देने का अवसर

भिलाई। किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने की भावना और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए श्री स्वामीनारायण गुरुकुल स्कूल, भिलाई में आशीर्वाद ब्लड बैंक, नेहरू नगर के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यालय के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस पहल के द्वारा रक्तदान के महत्व के प्रति लोगो में जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के माध्यम से रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन का अवसर देने वाली संवेदनशील पहल का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में दुर्ग के सिविल सर्जन आशीषन कुमार मिंज मुख्य, स्वामीनारायण गुरुकुल स्कूल के डायरेक्टर डी. रघुनाथ और आशीर्वाद ब्लड बैंक के डायरेक्टर विकास जायसवाल शामिल हुए। आशीषन कुमार मिंज ने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है। जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता किसी मरीज के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है। उन्होंने पात्र व्यक्तियों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने और समाज में इसके प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने की अपील की। विद्यालय के डायरेक्टर



डी. रघुनाथ ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और समाज में सेवा, करुणा, सहयोग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मानवीय मूल्यों का विकास करना भी है। विद्यालय शिक्षा के साथ सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। रक्तदान शिविर इसी सोच का हिस्सा है। शिविर में विद्यालय के अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। अनेक अभिभावक स्वेच्छा से रक्तदान के लिए आगे आए। उनके इस योगदान ने मानव सेवा के प्रति समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्राचार्य पलाश जायसवाल सहित शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने भी आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया।

नवीन उज्वल महिला महाराष्ट्र मंडल ने मनाया मां शारदा उत्सव



भिलाई। हर साल की तरह नवीन उज्वल महिला महाराष्ट्र ने उत्साह वा उमंग पूर्वक शारदा देवी की प्रतिमा की स्थापना कर पूजा अर्चना कर भजन कीर्तन किया गया। रास गरबा में सभी सदस्य उत्साह के साथ थिरकीं। व्यंजन प्रतियोगिता एवं भजन प्रतियोगिता रखी गई। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर नंदा पांडे, द्वितीय स्थान पर सुषमा ठोसर, तृतीय पर चैताली रहीं। भजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान में मंदा वासनकर, द्वितीय स्थान पर सिंधु चामोसीकर रहीं। मंडल अध्यक्ष नीलू लिमेश और संध्या कपासे द्वारा सभी प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। मंडल अध्यक्ष नीलू लिमेश ने बताया कि महाराष्ट्र की परंपरा के अनुसार दशहरे पर्व के बाद तीन दिन सरस्वती देवी बिठा कर पूजा की जाती है। बड़े धूमधाम से यह पर्व मनाया जाता है। सभी सदस्य एक दूसरे को सोन पत्ता देकर गले मिलते हैं। कहा जाता है कि सारी बुराइयों को भूलकर आपस में भेंट मुलाकात की जाती है। इस अवसर पर प्रवीणा कापसे, संध्या कपासे, राखी साहू, चैताली डेकाटे, भारती नंदनवार, मंदा वासनकार, वीणा देशपांडे, ऊषा तालमेल आदि मौजूद थे।

● स्व. दिलीप सतपथी की स्मृति को पत्नी अदिति ने किया चिरस्थायी

छह महीने में ओडिशा के शिल्पी ने तैयार की कलाकृति, सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर में स्थापित हुआ तोरण लक्ष्मी सिंहद्वार

कार्नर न्यूज

भिलाई। जगन्नाथ संस्कृति के प्रति आस्था, समाजसेवा का संकल्प और अपनों की स्मृतियों को संजोने की भावना जब एक साथ जुड़ती हैं, तो वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाती हैं। सेक्टर-4 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में स्थापित तोरण लक्ष्मी सिंहद्वार इसी भावना का प्रतीक है। उत्कल समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी, शिक्षाविद और महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी के परम भक्त स्व. दिलीप सतपथी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए उनकी धर्मपत्नी अदिति सतपथी ने इस सिंहद्वार की स्थापना का संकल्प लिया था, जो तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों के बाद विधि-विधान से पूरा हुआ। ओडिशा की पारंपरिक शैली में निर्मित इस द्वार को प्रख्यात शिल्पी आनंद महाराणा ने छह माह में तैयार किया है। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच हुई स्थापना से मंदिर परिसर को नया स्वरूप मिला है। अब श्रद्धालु सेक्टर-4 के जगन्नाथ मंदिर में ही पुरी धाम की स्थापत्य परंपरा और जगन्नाथ संस्कृति की दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे। यह सिंहद्वार स्व. दिलीप सतपथी के धार्मिक समर्पण के साथ शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की याद भी दिलाता रहेगा।



शिक्षा और समाजसेवा के लिए समर्पित था जीवन

स्व. दिलीप सतपथी उत्कल समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी और शिक्षाविद थे। उन्होंने जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। समाज के गरीब और मेधावी बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करने जैसे प्रयासों के माध्यम से उन्होंने जनसेवा की मिसाल प्रस्तुत की। महाप्रभु के प्रति उनकी अटूट आस्था और समाज के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अदिति सतपथी ने सिंहद्वार निर्माण की पहल की। इस अवसर पर अदिति सतपथी ने भावुक होते हुए कहा कि उनके पति स्व. दिलीप सतपथी का महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी के प्रति समर्पण अटूट था। यह सिंहद्वार उनकी स्मृति को संजोए रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों को जगन्नाथ संस्कृति और जनसेवा से जुड़ने की प्रेरणा देगा। त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव में जगन्नाथ समिति के महासचिव सत्यवान नायक सहित बसंत प्रधान, डी. त्रिनाथ, बी.सी. बिस्वाल, सीमांचल बेहेरा, वृंदावन स्वाईं, अनाम नाहक, रंजन महापात्र, त्रिनाथ साहू, सुभाष पात्रो, कवि बिस्वाल, प्रकाश स्वाईं, प्रकाश दास, कैलाश पात्रो, भीम स्वाईं, कालू बेहरा, लखन बिस्वाल, रवि स्वाईं, वी.के. होता, श्याम दलाई और सुशांत सतपथी ने विशेष योगदान दिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुई स्थापना

तीन दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव में मुख्य पुरोहित पंडित पितवास पाढ़ी, मंदिर के पुजारी ब्रज किशोर मिश्र और ओडिशा से आए पंडितों की टीम ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापना और पूजा-अर्चना संपन्न कराई। अदिति सतपथी की उपस्थिति में सीमांचल बेहेरा और ज्योत्सना बेहेरा ने मुख्य यजमान के रूप में धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। ओडिशा की पारंपरिक शैली में बने सिंहद्वार की आकर्षक चित्रकारी भी वहां से आए कलाकारों ने की।

क्या है तोरण लक्ष्मी सिंहद्वार का महत्व

पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार को सिंहद्वार कहा जाता है। इसके तोरण पर विराजित मां तोरण लक्ष्मी का जगन्नाथ संस्कृति और मंदिर स्थापत्य में विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तोरण लक्ष्मी के दर्शन से सांसारिक क्लेश, मानसिक मलिनता और दरिद्रता दूर होती है। सिंहद्वार को धर्म और मोक्ष की ओर बढ़ने का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु यहां से 22 सीढ़ियां चढ़कर गर्भगृह की ओर बढ़ते हैं।

सिटी इवेंट

रामलीला के मंचन में जीवंत हुए श्रीराम के आदर्श



दुर्ग। नगपुरा में रामलीला महोत्सव एवं विजयादशमी दशहरा उत्सव का आयोजन धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीराम और श्रीराम सेना की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि नगपुरा के रामलीला महोत्सव और दशहरा उत्सव में शामिल होकर भक्ति, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। रामलीला के प्रत्येक प्रसंग ने भगवान श्रीराम के आदर्शों और सत्य की विजय का संदेश जनमानस तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों से ही समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को भी संस्कारों से जोड़ते हैं। विधायक ने उपस्थित लोगों को विजयादशमी और दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। रामलीला समिति और ग्रामवासियों की मांग पर विधायक ललित चंद्राकर ने बाजार चौक स्थित मंच के पास डोम शेड निर्माण कराने की घोषणा की। इससे गांव में भविष्य में आयोजित होने वाले धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में सुविधा मिलेगी। घोषणा के बाद ग्रामवासियों ने हर्ष व्यक्त किया। उत्सव के दौरान रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में रिखी क्षत्रिय कृत लोक रागनी की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, सरपंच सरोज रिगरी, जिला मंत्री गिरेश साहू, पूर्व पंच मोतिम देवांगन, हेमंत सिन्हा, गोरख गोस्वामी, पंच खिलेंद्र साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक फगुआ देवांगन, रोहित देवांगन, पंच गीता देशलहरे, पूर्व सरपंच सुखदेव देवांगन, नागेश्वर सिंह चौहान, पूर्व सरपंच भूपेंद्र रिगरी, शंकर चौहान, नारद भैरया, अमर गोस्वामी, शिव निषाद, खेमलाल देशमुख, पंच डोमेश्वरी देवांगन, संतराम यादव, कोटवार धनेश देवांगन, चिंटू जैन तथा रामायण समिति की ओर से हेम धनकर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।



सिटी लाइव

शास्त्रीय नृत्य की छटा, देशभर के कलाकारों ने बिखेरा हुनर



भिलाई। बीएनएस स्कूल, सेक्टर-4 में नृत्यधाम कला समिति द्वारा आयोजित 21वें ऑल इंडिया फेस्टिवल एंड कॉम्पिटिशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध विधाओं का मनमोहक संगम देखने को मिल रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस कला महोत्सव में विभिन्न शहरों से पहुंचे कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को रायगढ़, बिलासपुर और नागपुर के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। महोत्सव में



कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, कथक और मोहिनी अट्टम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियों ने भारतीय कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा को मंच पर जीवंत किया। कलाकारों ने अपनी भाव-भंगिमाओं, लय, ताल और नृत्य कौशल के माध्यम से प्रस्तुतियों को आकर्षक बनाया। शास्त्रीय नृत्य की अलग-अलग शैलियों को एक ही मंच पर देखने का अवसर प्रतिभागियों और कला प्रेमियों के लिए विशेष रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य शास्त्रीय नृत्य, संगीत और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने के साथ कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी साधना, अनुशासन और कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए अपनी क्षमता का परिचय दिया। कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, कथक और मोहिनी अट्टम की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने आयोजन को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। नौ दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में से सर्वश्रेष्ठ कलाकारों का चयन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, चयनित प्रतिभागियों को 1 नवंबर को जयापद्मा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, कथक, मोहिनी अट्टम और तबला विधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकार इस सम्मान के लिए चयनित किए जाएंगे। यह आयोजन कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने, विभिन्न नृत्य शैलियों से परिचित होने और भारतीय कला-संस्कृति की परंपरा को आगे बढ़ाने का अवसर दे रहा है।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं महाविद्यालयीन कर्मचारियों में ईमानदारी, नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इस दौरान प्राचार्य डॉ. रंजनाश्रीवास्तव के नेतृत्व में उपस्थित प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राओं ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली तथा अपने दैनिक जीवन एवं कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी को व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का आधार बताते हुए सभी को अपने कार्यों में नैतिकता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सुषमा यादव ने भी सत्यनिष्ठा अपनाने का संदेश दिया।

● छत्तीसगढ़ और ओड़िसा की संस्कृति पर आधारित नृत्य ने बांधा समां

नुआखाई महोत्सव में जुटा उड़िया समाज, सांसद बघेल बोले-लोग बहुत सरल और होते हैं भावुक

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा रविवार को नुआखाई महोत्सव बड़े ही धूमधाम से कला मंदिर सिविक सेंटर में मनाया गया। प्रदेश भर के कलाकार अपन कला का प्रदर्शन करने पहुंचे थे। महोत्सव प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी के नेतृत्व में किया गया। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ और उड़िसा की संस्कृति को लेकर प्रदेश स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रुप में सांसद विजय बघेल अध्यक्षता पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने किया। अतिविशिष्ट अतिथि में श्रम कल्याण मंडल उपाध्यक्ष किशोर महानंद, भिलाई कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर,श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, सर्वसमाज कल्याण समिति उपाध्यक्ष जोगाराव समेत रिसाली महापौर शशि सिन्हा समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। महोत्सव की शुरुआत भगवान जगनाथ के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित किया गया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से प्रतिभागी पहुंचे थे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार काव्या देवांगन उड़िसा से चीरहरण ने सबका दिल जीत लिया। जिसे नगद 15000 रुपए पारख ज्वेलर्स द्वारा दिया गया। द्वितीय जगन्नाथ ग्रुप माता काली के स्वरुप में नृत्य पर 11000 रुपए और तृतीय लोकधारा ग्रुप को 7000 रुपए नगद रुपए प्रदान किए गए। इसके अलावा सांतवना पुरस्कार मोबाइल दिव्यांशी, ऋशिता, नम्रता, विनय गायकवाड,हर्षिता, ईशिका, मुस्कान,मयंक हर्षल, अंचल साहू, अमिता ग्रुप महिला स्पेशल दिया गया। महोत्व में समाज के कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, संजय सोनवानी, उपाध्यक्ष कैलाश तांड़ी, दुर्ग जिला अध्यक्ष अजय कुमार लुहा, महिला विंग अध्यक्ष जयंती महानंद, महामंत्री मोंटू हरपाल, मनोज दुर्गा, भिलाई शहर अध्यक्ष पूरन नायक, उपाध्यक्ष राम भजन विभार, उपाध्यक्ष संदीपा तांडी, अहिवारा वि.सभा अध्यक्ष अर्जुन महानंद, महिला विंग अध्यक्ष कविता तांडी, वैशाली नगर अध्यक्ष विदुर तांडी, महिला विंग अध्यक्ष सुभद्रा सेठिया, मीडिया प्रभारी धरम हरपाल, दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष प्रीतम हरपाल आदि मौजूद रहे।





अतिथियों ने समाज की एकजुटता पर दिया संदेश

सांसद विजय बघेल ने कहा कि समाज के लोग बहुत ही सरल, भावुकता से जीवन गुजारते है। उड़िसा के लोग बहुत मेहनती होते है। हर काम को ईमानदारी के साथ और मेहनत से पूर्ण करते है। अखिल भारतीय उड़िया समाज सभी को एकजुट कर रख रहा है। अपने आप में बड़ी बात है। नुआखाई महोत्सव उड़िसा प्रांत का प्रमुख पर्व होता है। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि नुआखाई का पर्व उड़िया बंधु बड़े ही धूमधाम से मनाते है। समाज को एकजुट कर बांध के रखना भी बड़ी बात है। एबीयूएस द्वारा कराए जाने वाला प्रयास सराहनीय है। इस तरह के आयोजनों में समाज एकजुट दिखता है। उड़िया समाज के लोग मेहनतकश होते है। पर्व को प्रांत के लोग बड़े ही हर्ष और उल्लाष से मनाते है।





मां काली और चीरहरण गीत ने बांधा समां

रायपुर से पहुंचे नुआखाई महोत्सव में जगन्नाथ ग्रुप ने मां काली के म्यूजिक पर जिस तरह से प्रदर्शन किया। नृत्य कलाकारों बखुबी शमां बांध बांधा।तालियों की गड़ गड़ाहट से कला मंदिर गूंजने लगा। चीरहरण में काव्या देवांगन अपनी कला का बेहतर प्रदर्सन कर प्रथम पुरस्कार नगद जीता।इस नृत्य ने लोगों को ताली बजाने मजबूर कर दिया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ी गीत में कई कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। नृत्य में रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जोरातराई, अहिवारा, भिलाई तीन,सुपेला समेत जशपुर, उड़िसा, केसिंगा, बिलासपुर, बस्तर, जगलपुर, कोरबा, रायगढ़, महासमुंद,सरायपाल ।, नागपुर, झीट, आदि जगह से कलाकार पहुंचे थे।

दीपावली एग्जिबिशन में उमड़ी भीड़

स्टॉलों में सजे हाथ से बने सामान, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया प्रोत्साहित

दुर्ग। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित दीपावली एग्जिबिशन में रविवार को लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सिटी सेंटर मॉल, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास आयोजित इस प्रदर्शनी में दुर्ग-भिलाई की महिलाओं ने 48 स्टॉल लगाए, जहां स्वनिर्मित, पारंपरिक और आकर्षक फैंसी उत्पादों ने लोगों का ध्यान खींचा। दीपावली से पहले आयोजित इस प्रदर्शनी ने शहर में त्योहार की रौनक बढ़ा दी है। रविवार को यहां दिनभर खरीदारी के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहा और देर शाम तक प्रदर्शनी स्थल पर चहल-पहल बनी रही। दीपावली एग्जिबिशन में महिलाओं द्वारा तैयार विविध उत्पाद आकर्षण का केंद्र रहे। स्टॉलों पर गिफ्ट हैंपर्स, चॉकलेट, घरेलू स्किन केयर उत्पाद, हर्बल कॉस्मेटिक्स, हर्बल हेयर ऑयल, साबुन, परफ्यूम, साड़ियां, सूट, ज्वेलरी, कपड़े, चादर, गर्म कपड़े, भगवान की पोशाक, हैंडीक्राफ्ट, हैंडबैग और डिजाइनर रंगोली सहित अनेक उत्पाद उपलब्ध रहे। इसके अलावा गोबर से बने विशेष उत्पाद, मिट्टी और गोबर के दीपक, अचार, पापड़, मुखवास, तिल-गुड़ के लड्डू तथा अन्य घरेलू और स्वनिर्मित





वस्तुओं को भी लोगों ने पसंद किया। एग्जिबिशन कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष पायल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, महापौर अलका बाघमार, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कैट राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद जैन, उपाध्यक्ष अमर परवानी, चेयरमैन विक्रम सहदेव, आरएडीए अध्यक्ष कैलाश खेमानी, पूर्व विधायक अरुण वोरा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल, पीसीसी महासचिव राजेन्द्र साहू, सभापति श्याम शर्मा, पूर्व सभापति राजेश यादव, करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक सिंह, समाजसेवी अरविंद वोरा, वार्निका शर्मा सहित अन्य शामिल हुए। प्रदर्शनी के दौरान कैट दुर्ग जिला महिला इकाई की गूंजा पींचा, नीति बल्लेवार, रंजना गुप्ता, शारदा गुप्ता, सविता पाध्ये, रुपल गुप्ता, मधू शर्मा, नेहा तिवारी, नेहा खंडेलवाल, प्रतिभा पुरोहित, रेखा रुपारेल, नविता शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्था बनाने में सक्रिय भूमिका रही।

नौ दिवसीय आयोजन

भागवत कथा में ध्रुव चरित्र, भक्त प्रहलाद के प्रसंगों का किया बखान





भिलाई। रिसाली के प्रगति नगर स्थित मां परमेश्वरी भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन सोमवार को संत निरंजन ने ध्रुव चरित्र, जड़ भरत कथा, भगवान नरसिंह अवतार एवं भक्त प्रहलाद के प्रसंगों का वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिमय वातावरण में धर्मलाभ प्राप्त किया। कथा के दौरान महाराज ने बालक ध्रुव की तपस्या और भगवान के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि दृढ़ संकल्प, सच्ची लगन और भक्ति के बल पर मनुष्य कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। ध्रुव ने अपनी तपस्या से भगवान विष्णु को प्रसन्न किया और ध्रुव पद प्राप्त किया। भगवान नरसिंह अवतार का प्रसंग सुनाते हुए महाराज जी ने भक्त प्रह्लाद की अटूट आस्था का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि हिरण्यकश्यप के अत्याचारों के बावजूद प्रहलाद ने भगवान विष्णु की भक्ति नहीं छोड़ी। अपने भक्त की रक्षा और अधर्म के अंत के लिए भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार धारण कर हिरण्यकशिपु का वध किया। महाराज ने कहा कि सच्ची भक्ति में अपार शक्ति होती है। भगवान अपने भक्तों की रक्षा करते हैं और अहंकार एवं अधर्म का अंत निश्चित है। कथा में जड़ भरत के प्रसंग के माध्यम से भी वैराग्य, आत्मज्ञान और मोह-माया से दूर रहने का संदेश दिया गया। नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह 31 अक्टूबर तक आयोजित है। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक मां परमेश्वरी भवन में हो रही है।

सेक्टर-6 के राधा-कृष्ण मंदिर में महाभिषेक, महाआरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम



कार्नर न्यूज

शरद पूर्णिमा पर राधा-कृष्ण के महारास की छटा गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

भिलाई। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर गीताभवन सेक्टर-6 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भक्ति, आस्था और संस्कृति का मनोहारी रंग देखने को मिला। ब्रजमंडल भिलाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भगवान राधा-कृष्ण का विशेष महाभिषेक, महाआरती और महारास गरबा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां हुईं। भक्ति संगीत और गरबा की लय पर थिरकते कलाकारों ने मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में भिलाई-दुर्ग के विभिन्न नृत्य समूहों और बाल कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के सुबह के सत्र में पंडित सरजू प्रसाद द्विवेदी ने भगवान श्री राधा-कृष्ण के विग्रह का विशेष साज-श्रृंगार किया। यजमान अनिल कुमार मित्तल ने



सपरिवार पूजन में सहभागिता की। इस दौरान सुगंधित द्रव्यों, गंगाजल, पंचगव्य और सुगंधित पुष्पों से भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष महाभिषेक कराया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

संध्याकालीन सत्र में मुख्य अतिथि एस. स्वामीनाथन अय्यर और राजपाल सिंह शेखावत सपत्नीक शामिल हुए। ब्रजमंडल के अध्यक्ष गिरीश गुप्ता, महासचिव सूरज मंगला, मुनीश कुमार गोयल, अतवीर सिंह राघव और उपाध्यक्ष भावना तोमर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथियों के नेतृत्व में उपस्थित श्रद्धालुओं ने महाआरती की और भगवान श्री राधा-कृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

महारास की कथा के साथ गरबा की रंगारंग प्रस्तुति

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन विरेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने शरद पूर्णिमा के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसे रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी पावन रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज क्षेत्र में गोपियों के साथ महारास रचाया था। श्रीकृष्ण की मुरली की मधुर धुन और गोपियों के साथ उनके दिव्य नृत्य की कथा प्रेम, समर्पण और भक्ति का संदेश देती है। इसके बाद महारास गरबा नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। वेणु नाग की डांस टीम, शिव शक्ति डांस एकेडमी भिलाई की टीम, जानकी राव की डांस टीम और राधा-कृष्ण डांस ग्रुप की गरबा टीम ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। शिव शक्ति डांस एकेडमी की निर्देशिका टी. एस. सुनयना के मार्गदर्शन में कलाकारों ने गरबा की लयबद्ध मुद्राओं से दर्शकों की तालियां बटोरीं। बाल कलाकारों के समूह ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। राधा-कृष्ण के स्वरूप में हरिका दलाई और अवंतिका की मनमोहक प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथियों ने सभी कलाकारों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं और उपस्थितजनों को शरद पूर्णिमा की परंपरा के अनुरूप खीर प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ ब्रज संस्कृति और भारतीय लोकनृत्य की सुंदर झलक प्रस्तुत की।



जीवन

हर सुबह मलासन में बैठकर पिएं पानी, मिलेंगे ये अद्भुत लाभ



स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और इसे बनाए रखने के लिए प्राचीन भारतीय परंपराओं व योगशास्त्र में कई सहज नियम बताए गए हैं। योग हमारे शरीर और मन को निरोगी रखता है, वहीं पानी शरीर की समस्त आंतरिक प्रणालियों को शुद्ध और विषरहित बनाए रखता है। जब हम इन दोनों प्राकृतिक नियमों का एक साथ समावेश करते हैं, तो सेहत को अकल्पनीय लाभ मिलते हैं। सुबह उठकर मलासन यानी उकड़ बैठकर पानी पीने की साधारण सी दिखने वाली यह आदत हमारे पाचन तंत्र से लेकर त्वचा की रंगत तक में चमत्कारी बदलाव ला सकती है।

मलासन में पानी पीने के स्वास्थ्य लाभ और सही तरीका : प्रसिद्ध योगा शिक्षिका दिलराज कौर बताती हैं कि सुबह खाली पेट मलासन की स्थिति में बैठकर पानी पीने से शरीर की कार्यप्रणाली बेहद सुचारू हो जाती है। मलासन मुख्य रूप से हमारे हिप्स, पेल्विक रीजन और पेट के निचले हिस्से के अंगों पर काम करता है। इस उकड़ स्थिति में बैठकर पानी पीने से पेट और आंतों पर एक प्राकृतिक दबाव बनता है, जिससे बाउल मूवमेंट में तेजी आती है और सुबह बिना किसी परेशानी के पेट आसानी से साफ हो जाता है। इसके नियमित अभ्यास से पुरानी से पुरानी कब्ज, गैस, एसिडिटी और यूरिनरी ट्रैक्ट में होने वाली जलन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाती है।

इसके अलावा, यह आदत शरीर से रातभर में जमा हुए सभी हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर बॉडी को पूरी तरह डिटॉक्स करती है, जिससे चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो आता है और सिरदर्द या माइग्रेन की शिकायत दूर होती है। पर्याप्त हाइड्रेशन मिलने से हमारी मांसपेशियों को ताकत मिलती है, ऐंठन दूर होती है और शरीर का लचीलापन काफी बढ़ जाता है। हालांकि, इस क्रिया को करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि एक बार में बहुत अधिक पानी गटकने के बजाय छोटे-छोटे घूंट लेकर ही पानी पिएं, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे और पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

फेंगशुई के आसान उपाय बदल देंगे आपके जीवन की ऊर्जा



प्राचीन चीनी वास्तु शास्त्र 'फेंगशुई' का हमारे जीवन और आसपास के वातावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। फेंगशुई मुख्य रूप से ऊर्जा (ची) के संतुलन पर आधारित है। यदि घर की ऊर्जा सकारात्मक हो, तो वहां रहने वाले सदस्यों के मन में हमेशा प्रसन्नता, शांति और उत्साह बना रहता है। आधुनिक दौर में लोग अपने घरों में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाने के लिए फेंगशुई के सिद्धांतों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं, ताकि घर का माहौल हमेशा खुशहाल और तनावमुक्त रहे।घर में प्रसन्नता और सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए फेंगशुई में कुछ बेहद सरल और प्रभावी उपाय बताए गए हैं। सबसे पहले, घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। अव्यवस्था या पुराना कबाड़ नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, इसलिए घर के मुख्य द्वार और कमरों को साफ रखना जरूरी है। इसके अलावा, घर की उत्तर या पूर्व दिशा में ताजे हरे पौधे, जैसे कि 'लकी बांस' (Lucky Bamboo) या मनी प्लांट रखना फेंगशुई के अनुसार बेहद शुभ माना जाता है, जो घर में धन और खुशियों का स्वागत करता है। प्रसन्नता के माहौल के लिए घर में प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा का आना बहुत जरूरी है। फेंगशुई के अनुसार, कमरों में घुटन या अंधेरा नकारात्मकता बढ़ा सकता है। घर के मुख्य द्वार पर या लिविंग रूम में सुंदर विंड चाइम्स लगाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाती है।

बदलती जीवनशैली बिगाड़ रही सेहत को, जरूरत सचेत रहने की

वात, पित्त और कफ का संतुलन बिगड़ने से बढ़ता है बीमारियों का खतरा, स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं उपाय

खराब दिनचर्या, असंतुलित खानपान, शारीरिक निष्क्रियता और नींद की कमी से लाइफस्टाइल में गड़बड़ी से संबंधित बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। आयुर्वेद संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, प्राणायाम और ध्यान पर जोर देता है। लोगों की लाइफस्टाइल जिस तरह गड़बड़ होती जा रही है, इसने कई तरह की बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। लगभग हर उम्र के लोगों में इसका खतरा हो सकता है। हम किस तरह का जीवन जीते हैं, क्या खाते हैं, कब सोते हैं, दिनचर्या की इन सभी आदतों का सेहत पर सीधा असर होता है। डॉक्टर बताते हैं जिन लोगों की दिनचर्या गड़बड़ होती है उनमें कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। डायबिटीज से लेकर हृदय रोग, मेटाबॉलिज्म की समस्या हो या फिर मोटापा, ये सभी लाइफस्टाइल में गड़बड़ी से संबंधित मानी जाती हैं।

आयुर्वेद कहता है कि सभी लोगों को शरीर के दोषों (वात, पित्त और कफ) में असंतुलन से बचाव के लिए लगातार प्रयास



करते रहना चाहिए। अगर इस दिशा में प्रयास किए जाएं तो तेजी से बढ़ती कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए इस बारे में जानते हैं।

लाइफस्टाइल की गड़बड़ी से होने वाली बीमारियां

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल की गड़बड़ी जैसे शारीरिक गतिविधि की कमी, अस्वास्थ्यकर भोजन, शराब-मादक द्रव्यों के सेवन के कारण हृदय रोग, स्ट्रोक, मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज और फेफड़ों का कैंसर तक का खतरा हो सकता है। इनमें से कई बीमारियों को जानलेवा भी माना जाता है। कम उम्र से ही सभी लोगों को लाइफस्टाइल को ठीक रखने का प्रयास करना चाहिए। ये वैश्विक स्तर पर बढ़ते इन रोगों के खतरे को कम करने के लिए बहुत आवश्यक है।

संतुलित आहार से सभी दोष रहते हैं संतुलित

आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, संतुलित आहार का मतलब केवल हमारे द्वारा खाए जाने वाले विशिष्ट खाद्य पदार्थों से ही नहीं है, बल्कि उन खाद्य पदार्थों के स्वाद, गुणों और संयोजनों के बारे में भी जानना जरूरी है। आयुर्वेद छह स्वादों को पहचानता है- मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा और कसैला। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपमें सभी दोष (वात, पित्त और कफ) संतुलित रहें हैं, संतुलित आहार में सभी छह स्वादों को उचित अनुपात में शामिल किया जाना चाहिए। ताजा, मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन बहुत जरूरी है।

दिनचर्या को रखें ठीक

दैनिक दिनचर्या का ठीक रहना समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सबसे आवश्यक अंग है। सुबह जल्दी उठने से लेकर, तेल से मालिश करने, स्नान और योग जैसी गतिविधियों से शरीर को आराम मिलता है। मन को शांत करने के लिए संतुलित नाश्ता, नियमित व्यायाम और ध्यान करें। हर रात 7-8 घंटे की आरामदायक नींद का लक्ष्य बनाना शरीर के लिए बहुत आवश्यक है।

योग और ध्यान जरूरी

योग और प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम) आपके शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य स्थापित करने में मदद करते हैं। यह पूरे शरीर में ऊर्जा के कुशल प्रवाह को बढ़ावा देते हुए लचीलेपन, ताकत और संतुलन में सुधार करता है।





ब्रेन को तेज रखने के लिए महंगे सप्लीमेंट नहीं, इस आदत में सुधार आ सकती है काम

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, सोशल मीडिया पर रील्स देखना, ऑनलाइन गेम खेलना और काम का बढ़ता दबाव लोगों की नींद को प्रभावित कर रहा है। इसका असर केवल दिनभर की थकान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि एकाग्रता, याददाश्त और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। पर्याप्त नींद न मिलने से बच्चों की पढ़ाई और युवाओं की काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

नींद के दौरान मस्तिष्क दिनभर सीखी गई जानकारी को व्यवस्थित करता है और याददाश्त को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसलिए अच्छी नींद को स्वस्थ मस्तिष्क के लिए भी जरूरी माना जाता है। वयस्कों को आमतौर पर हर रात 7 से 9 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है।

याददाश्त और एकाग्रता दोनों पर असर : जब नींद पूरी नहीं होती, तो मस्तिष्क की जानकारी सीखने, उसे याद रखने और जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल करने की क्षमता



प्रभावित हो सकती है। ऐसे में पढ़ाई या ऑफिस के काम में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है। लोग छोटी-छोटी बातें भूलने लगते हैं और फैसले लेने में भी परेशानी महसूस कर सकते हैं। लंबे समय तक नींद की कमी रहने पर रोजमर्रा के कामकाज पर भी इसका असर हो सकता है।

स्ट्रेस बढ़ने का खतरा : नींद में गड़बड़ी मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। पर्याप्त नींद न मिलने पर चिड़चिड़ापन, बेचैनी और तनाव बढ़ने का खतरा होता सकता है। वहीं लगातार नींद पूरी न होने से पहले से ही स्ट्रेस-एंग्जायटी के शिकार लोगों में डिप्रेशन की भी दिक्कत हो सकती है। नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

निर्णय लेने की क्षमता हो सकती है प्रभावित : नींद की कमी का असर मस्तिष्क के उन हिस्सों पर भी पड़ता है, जो सोचने-समझने, योजना बनाने और सही निर्णय लेने में मदद करते हैं। पर्याप्त नींद न लेने वाले लोगों को प्रतिक्रिया देने में अधिक समय लग सकता है और वे गलतियां भी ज्यादा कर सकते हैं। लगातार थकान रहने से काम करने की क्षमता और दिनभर की उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।

बच्चों के मस्तिष्क के विकास पर असर

बच्चों और किशोरों के लिए पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र में मस्तिष्क का विकास जारी रहता है। नींद सीखने, याददाश्त और भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करती है। नींद पूरी न होने पर बच्चों को पढ़ाई में ध्यान लगाने, निर्देश समझने और अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखने में परेशानी हो सकती है। इसलिए बच्चों के सोने और जागने का समय नियमित रखना जरूरी है।

नींद की गुणवत्ता सुधारने के लिए क्या करें?
रोजाना सोने और जागने का समय तय रखें। सोने से कम से कम 30-60 मिनट पहले मोबाइल और दूसरी स्क्रीन से दूरी बनाएं। शाम के समय चाय, कॉफी और दूसरे कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन कम से कम करें। सोने के कमरे को शांत, अंधेरा और आरामदायक रखें। नियमित व्यायाम करें और दिनभर की थकान दूर करने के लिए पर्याप्त आराम लें।

रसोई में रखा ये हरा पत्ता है सेहत का खजाना शुगर से लेकर कोलेस्ट्रॉल तक के लिए फायदेमंद

हमारे किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जिन्हें हम रोज इस्तेमाल तो करते हैं, लेकिन उनके फायदों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। करी पत्ता भी ऐसी ही चीज है। भारतीय खान-पान में इसका इस्तेमाल लंबे समय से तड़के और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता रहा है। इसकी खास खुशबू और स्वाद खाने को अलग पहचान देते हैं, लेकिन बात सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं है। इसकी खुशबू और स्वाद से तो लगभग हर कोई परिचित है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा पत्ता पोषक तत्वों और कई पौधों से मिलने वाले यौगिकों का स्रोत भी है? करी पत्ते पर हुए शोध में ब्लड शुगर, पाचन, हृदय स्वास्थ्य और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से जुड़े संभावित फायदों का पता चलता है।

शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद

करी पत्तों को शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद पाया गया है। इनमें मौजूद प्लांट बेस्ड यौगिक और फाइबर भोजन के बाद ब्लड शुगर बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं। कुछ शुरुआती अध्ययनों में करी पत्ते के अर्क से ग्लूकोज कंट्रोल और इंसुलिन से जुड़ी प्रक्रियाओं पर संभावित लाभ देखने को मिले हैं। जिन लोगों का शुगर अक्सर बढ़ा रहता है उन्हें खाली पेट कुछ पत्तियों का सेवन करने से लाभ मिल सकता है।

हृदय की सेहत के लिए लाभकारी :

करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं।



डायबिटीज की ही तरह से करी पत्ते हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। नियमित रूप से करी पत्तों का सेवन ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हृदय रोगों से बचाव के लिए इसका सेवन लाभकारी है।

पाचन के लिए भी फायदेमंद : करी पत्ते में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज में मदद करता है। इसमें मौजूद कुछ यौगिकों में एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण भी देखे गए हैं। करी पत्ते कब्ज, दस्त, और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में ये मदद करते हैं। करी पत्ते की चाय पाचन में सुधार में बहुत फायदेमंद मानी जाती है, इनमें कार्मिनेटिव गुण होते हैं जो गैस और ब्लोटिंग को कम करने में सहायक हैं।

पेट में दर्द और मितली कब हो सकता है हार्ट अटैक का संकेत? महिलाओं में ये लक्षण बहुत कॉमन

हार्ट अटैक का दर्द हमेशा सिर्फ सीने में नहीं होता। खासकर महिलाओं में हार्ट अटैक में पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मितली, सांस फूलने, पसीना और चक्कर जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इन्हें गैस या अपच समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ऐसे संकेतों के साथ तुरंत इमरजेंसी मदद लेना जरूरी है।

हार्ट अटैक दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक इससे हर साल लगभग 95 लाख लोगों की मौत हो जाती है, ये दुनियाभर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 16% है। हार्ट अटैक का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में सीने में तेज दर्द, सांस फूलने और पसीना आने वाली तस्वीर सामने आती है। लेकिन, हर बार हार्ट अटैक इसी तरह से संकेत दे यह जरूरी नहीं है। कई बार दिल का दौरा पड़ने पर शरीर ऐसे संकेत भी देता है जिन्हें लोग सामान्य समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हार्ट अटैक के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसमें लोगों को जी मिचलाने, उल्टी और पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, जिनपर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देते रहने की जरूरत होती है।

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द : हार्ट



अटैक तब होता है जब दिल की मांसपेशियों तक खून और ऑक्सीजन पहुंचाने वाली रक्त वाहिका में रुकावट आ जाती है। इसका सबसे जाना-पहचाना संकेत सीने में दबाव या दर्द है, लेकिन दर्द हमेशा सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता।

कई बार हार्ट अटैक की स्थिति में पेट के ऊपरी हिस्से में भी दर्द महसूस हो सकती है। यह दर्द पीठ, गर्दन, जबड़े, कंधे या हाथ तक भी फैल सकता है। पेट की इन समस्याओं को अक्सर लोग गैस, एसिडिटी या अपच समझ लेते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के विशेषज्ञ कहते हैं, पेट में दर्द या मितली के साथ सीने में दिक्कत हो रही हो तो इसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

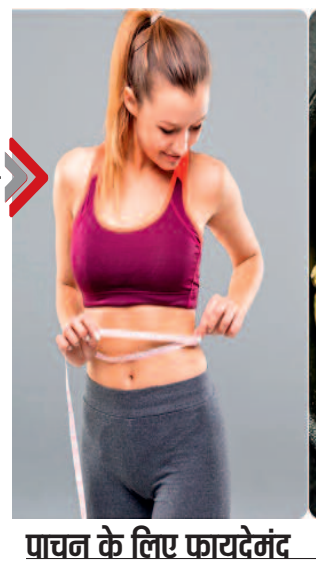
महिलाओं में हार्ट अटैक के दौरान पेट के लक्षण : अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं में जी मिचलाने, अपच और पेट के ऊपरी हिस्से में दबाव महसूस होने जैसी पेट की समस्याएं हार्ट अटैक के आम लक्षण हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

कार्नर न्यूज

वजन को नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम दोनों पर ध्यान देना जरूरी

वेट लॉस करना हो या फिर पाचन को रखना हो ठीक ये असरदार औषधि कर सकती है आपकी मदद

खानपान में गड़बड़ी, शारीरिक गतिविधियों की कमी और तनाव जैसी स्थितियों के कारण सभी उम्र के लोगों में वजन बढ़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। मोटापा केवल शरीर की बनावट को खराब नहीं करता, बल्कि इससे टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में वजन को नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम दोनों पर ध्यान देना जरूरी है।





पाचन के लिए फायदेमंद

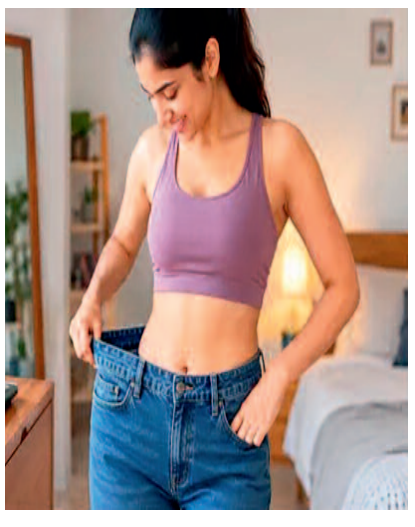
इलायची का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से पाचन संबंधी परेशानियों में किया जाता रहा है। इसकी खुशबू और स्वाद खाने को अधिक स्वादिष्ट बना सकते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि गैस, अपच या पेट फूलने जैसी समस्याओं को दूर करने में भी इलायची का पानी लाभकारी हो सकता है। पर अगर आपको लगातार पेट की परेशानी बनी रहती है तो इसके कारणों को समझने के लिए डॉक्टर से मिलकर जांच जरूर करा लें। पेट की दिक्कतों के कुछ सामान्य लक्षण कई बार बड़ी बीमारियों का संकेत हो सकते हैं।

ब्लड प्रेशर और दिल की सेहत

मानव अध्ययनों में इलायची के सेवन से ब्लड प्रेशर और कुछ मेटाबॉलिक संकेतकों में संभावित लाभ भी देखे गए हैं। इलायची को आहार का हिस्सा बनाकर ये लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। दिल को स्वस्थ रखने के लिए नमक का सेवन कम करना, नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन करना भी जरूरी है।

इन बातों को भी जानिए

आप सुबह पानी में भिगोई हुई 2-3 हरी इलायची का सेवन कर सकते हैं या इसके दानों को चाय और भोजन में मिला सकते हैं। खाली पेट इसका सेवन करना या रात को खाने से वजन घटने और नींद बेहतर होने की गारंटी नहीं है। वजन नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या पर भी ध्यान दें। जिन लोगों को इलायची खाने से एलर्जी या पेट में परेशानी होती है, उन्हें इसका सेवन बंद कर देना चाहिए। किसी विशेष बीमारी या नियमित दवाओं की स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।



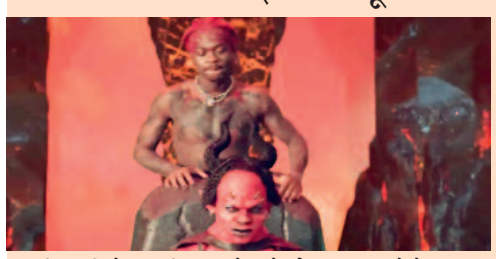
वजन घटाने में इलायची के लाभ

इलायची में एंटीऑक्सीडेंट गुणों वाले कई प्राकृतिक यौगिक पाए जाते हैं। कुछ अध्ययनों में इसके सेवन से ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और सूजन से जुड़े कुछ संकेतकों में सुधार देखा गया है। हालांकि, इलायची सीधे शरीर की चर्बी नहीं घटाती या मेटाबॉलिज्म को इतना बढ़ा देती है कि वजन कम होने लगे। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो इलायची को संतुलित आहार का हिस्सा बना सकते हैं। इसके साथ कैलोरी की मात्रा पर ध्यान देना, रोजाना चलना और नियमित व्यायाम करना भी जरूरी है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

गाने के प्रमोशन के लिए जूतों में डाला था इंसानी खून



कभी-कभी सेलिब्रिटीज अपने गाने को हिट करवाने के चक्कर में वो हद पार कर देते हैं, जिसके बारे में लोगों ने कभी सोचा भी नहीं होता। साल 2021 में भी अपने एक गाने को प्रमोट करने के चक्कर में एक मशहूर सिंगर ने जूतों में इंसानी खून डालकर बेचा था, जिसे लेकर दुनियाभर में खूब बवाल मचा था। कौन सा है वह गाना, जिसने खड़ी कर दी थी बड़ी कंट्रोवर्सी और बिके थे खून वाले केवल 666 शूज, नीचे पढ़ें पूरी कहानी। इंग्लिश गाने सुनने के शौकीन लोगों ने कभी न कभी हॉलीवुड का फेमस सॉन्ग 'मोंटेरो-कॉल मी वेन यू वॉन्ट..कॉल मी वेन यू नीड' जरूर सुना होगा, लेकिन क्या आपको पता है अमेरिकी रैपर लिल नैस एक्स के इस सुपरहिट गाने ने दुनियाभर में एक बड़ी कंट्रोवर्सी खड़ी कर दी थी। दरअसल, लिल के गाने के विजुअल्स कुछ ऐसे थे, जहां वो एक पोल के जरिए नर्क में उतरता है और शैतान को लैप डांस देता है और उसे मारकर उसके सिंहासन पर बैठ जाता है। गाना हॉलीवुड के हिसाब से सही था, लेकिन असली बवाल तब शुरू हुआ, जब इस गाने के साथ लिल नैस एक्स ने सैटन शूज लॉन्च किए, जिनके अंदर इंसानी खून था। 2021 में आए मोंटेरो गाने को बड़े स्केल पर प्रमोट करने के लिए लिन ने न्यूयॉर्क के एमएससीएचएफ आर्ट कलेक्टिव के साथ मिलकर एक नाइकी एयर 97 लॉन्च किया।

टॉलीवुड

राजनीति का अगला अध्याय लिखेंगी तृषा, ज्योतिषी ने की भविष्यवाणी



अभिनेत्री तृषा कृष्णन तमिल सिनेमा की एक प्रमुख अभिनेत्री हैं। उन्होंने फिल्मी दुनिया में दो दशकों से ज्यादा का समय दिया है। बीते दिनों वह अभिनेता से नेता बने थलापति विजय से कथित रिश्तों को लेकर सुर्खियों में भी रही हैं। अब एक ज्योतिषी ने इस साल के अंत में एक्ट्रेस के राजनीति में उतरने का दावा किया है। प्रसिद्ध ज्योतिषी प्रदोश ने भविष्यवाणी की है कि अभिनेत्री तृषा दिसंबर 2026 से राजनीति में प्रवेश करेंगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक पोस्ट में लिखा, 'तृषा कृष्णन, राजनीति का अगला अध्याय लिखेंगी। सूर्य, मंगल और शुक्र ग्रहों का एक मजबूत संयोजन, ज्योतिषीय रूप से, शक्ति, साहस, आकर्षण और जन प्रभाव का प्रतीक है।'इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राहु-केतु के गोचर के बाद, यानी दिसंबर 2026 के बाद, तृषा के राजनीति में प्रवेश करने की संभावना अधिक है। देखते हैं क्या होता है। विजय की चुनावी जीत और तृषा का जन्मदिन एक ही दिन यानी 4 मई, 2026 को पड़ना इस घटना को और भी दिलचस्प बना देता है। इस जीत के बाद उनके कथित तौर पर तिरुपति जाने की खबर ने लोगों के बीच इसे बातचीत का विषय बना दिया था। कुछ महीने पहले, तृषा द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई एक तस्वीर ने टीवीके नेता और मुख्यमंत्री विजय को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए हलचल मचा दी थी। साथ ही, वेबसाइटों पर यह जानकारी भी फैल गई थी कि अभिनेत्री तृषा राजनीति में आने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, बाद में विजय ने इस बात का खंडन किया था। विजय और तृषा का लंबा प्रोफेशनल साथ रहा है, जिसकी शुरुआत 2004 में 'घिल्ली' से हुई और तिरुपाची, आथी, कुरुवि और लियो जैसी फिल्मों में यह जारी रहा। उनके ऑफ-स्क्रीन अपीयरेंस भी अक्सर फैंस के बीच चर्चा का विषय रहे हैं। तृषा को मई में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में देखा गया था, जहां उन्होंने अभिनेता के परिवार से बातचीत भी की थी।

भोजपुरी

नवरात्रि में मोनालिसा ने दिया पावरफुल रिमाइंडर



भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक पावरफुल मैसेज दिया है। शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं। श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन हैं। इन दिनों गरबा भी खेला जाता है। इंडस्ट्री में भी इन पावन दिनों में खूब रौनक देखी जाती है। भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। मोनालिसा साड़ी में ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ हैवी ज्वैलरी पहनी है। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने फैंस को एक खास मैसेज दिया है। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा है, 'नवरात्रि। नौ रातें...एक जरूरी बात, जो याद रखनी चाहिए। आप जिस दौर, जिस समय से गुजर रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं'। पिंक और ग्रीन कलर की साड़ी में मोनालिसा हंसती-मुस्कुराती हुई पोज दे रही हैं। वे अपना मेकअप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के लिबास की फैंस तारीफ कर रहे हैं। मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा जगत की चर्चित एक्ट्रेस हैं। उनका असली नाम अंतरा बिस्वास है। फिल्मों के अलावा वे कई टीवी शो का हिस्सा भी रही हैं।

नई दिल्ली के ताज पैलेस में हुए 'मनीष मल्होत्रा लग्जरी प्रेट 2026' शो में सारा अली खान शोस्टॉपर बने। उन्होंने डिजाइनर की उस खास शैली को पेश किया जिसमें ग्लैमर और बारीक कारीगरी का बेहतरीन मेल देखने को मिला। सारा अली खान ने एक शानदार काले, डिजाइनर आउटफिट में सबको प्रभावित किया। इस पोशाक के ऊपरी हिस्से में स्ट्रैप नहीं थे। साथ ही, इस पर मैटेलिक और कई रंगों वाले फूलों की नाजुक सजावट की गई थी। चमकदार कढ़ाई और बारीक काम वाला फिटेड टॉप, उनकी लहराती हुई काली स्कर्ट के साथ बहुत जंच रहा था। एक पारदर्शी काले ड्रेप ने इस पूरे लुक में चार चांद लगा दिए।



सारा ने स्ट्रैपलेस टॉप से खींचा ध्यान

लाइफ स्टाइल

गोल्ड की चेन वाले मंगलसूत्र पसंद कर रही हैं मॉडर्न बहुएं!

मंगलसूत्र सुहागिन महिलाओं का खास गहना होता है। ये पति-पत्नी के खूबसूरत और अटूट रिश्ते का प्रतीक होता है। इसलिए शादी के बाद महिलाएं मंगलसूत्र जरूर पहनती हैं। खासकर करवाचौथ या कोई तीज-त्योहार हो तो एथनिक वियर के साथ ये भी जरूर पहना जाता है। समय के साथ मंगलसूत्र के डिजाइन में भी बदलाव आया है। आजकल गोल्ड की पतली चेन वाले मंगलसूत्र काफी पसंद किए जा रहे हैं।

चेन और काले मोतियों वाला डिजाइन : गोल्ड की चेन में काले मोतियों वाला ये मंगलसूत्र देखने में काफी खूबसूरत लगेगा। डेली वियर में पहनने के लिए ये डिजाइन बढ़िया ऑप्शन है। ऐसे मंगलसूत्र आप कहीं आने-जाने में भी आराम से पहन सकती हैं। थोड़ा सा हैवी लुक भी मिल जाता है।

स्टोन वर्क वाला सुंदर पेंडेंट : स्टोन वर्क वाले पेंडेंट के साथ मंगलसूत्र बेहद ही खूबसूरत लगता है। पतली सी गोल्ड चेन के साथ स्टोन पेंडेंट का कॉम्बिनेशन आपके हर आउटफिट के साथ पेयर हो जाएगा। अगर आप ऐसा मांगसलूत्र ढूंढ रही हैं, जो लाइटवेट भी हो और देखने में भी डिजाइनर लगे तो ये चुन सकती हैं।

अट्रैक्टिव मंगलसूत्र डिजाइन : थोड़ा सा



यूनिक और मॉडर्न मंगलसूत्र बनवाना चाहती हैं तो ये वाला डिजाइन सेव कर सकती हैं। इसका स्टोन वर्क वाला पेंडेंट काफी खूबसूरत है, साथ ही पतली सी गोल्ड की चेन में काले मोती का अरेंजमेंट भी अट्रैक्टिव लुक दे रहा है।

डायमंड शेप वाला पैंडेंट : डायमंड शेप में स्टोन वर्क वाला ये खूबसूरत पेंडेंट एक अच्छी चॉइस हो सकता है। ये काफी लाइटवेट है और डेली वियर में पहनने के लिए परफेक्ट है। आजकल की मॉडर्न बहू हैं और हैवी ज्वैलरी पसंद नहीं करतीं, तो ये मंगलसूत्र आपके लिए बढ़िया रहेगा।

फ्लोरल पेंडेंट वाला मंगलसूत्र

मिनिमल मंगलसूत्र बनवाना चाहती हैं तो स्टोन वर्क वाला ये फ्लोरल पैटर्न पेंडेंट चुन सकती हैं। ये बहुत ही लाइटवेट है और देखने में भी काफी स्टाइलिश लगता है। ऑफिस जाती हैं तो इस तरह का मंगलसूत्र डेली वियर में पहन सकती हैं।

हार्ट शेप वाला पैटर्न चुनें

ये मिनिमल हार्ट शेप पेंडेंट भी काफी खूबसूरत और अट्रैक्टिव है। पतली सी चेन और छोटे से पेंडेंट वाला ये डिजाइन काफी लाइटवेट है और कम बजट में बन जाएगा। अगर आप स्टाइलिश लुक पसंद करती हैं तो ये मंगलसूत्र आपको पसंद आएगा।

हेवी लुक के लिए ये चुनें

मंगलसूत्र थोड़ा हेवी में हो तो आराम से साड़ी या हेवी सूट के साथ वियर किया जा सकता है। खासकर त्योहारों पर पहनने के लिए ये बेस्ट रहता है। अगर आप भी खास मौकों के लिए ही मंगलसूत्र बनवाने की सोच रही हैं, तो ये अट्रैक्टिव डिजाइन अच्छी चॉइस हो सकता है।

लाल-पीली या हरी, साड़ी के हर शेड से मैच करेंगे ये मल्टीकलर ब्लाउज

फैशन





त्योहारों का सीजन है तो महिलाएं एथिनिक पहनना पसंद करती हैं। लेकिन, हर साल नई साड़ी खरीदना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं। ऐसे में कुछ ट्रिक की मदद से आप अपनी पुरानी साड़ियों को यूज कर सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं पुरानी साड़ी को नहीं पहनती कि उनके ब्लाउज के साइज छोटे हो गए होते हैं और हर साड़ी के साथ नये ब्लाउज बनवाना मुश्किल, ऐसे में मल्टीकलर ब्लाउज सस्ता और किफायती सॉल्यूशन है। आप खास डिजाइन के मल्टीकलर ब्लाउज को खरीदकर रख लें। ये आपकी कई साड़ियों के साथ मैच करेंगे और सुंदर दिखेंगे।

चेक प्रिंट मल्टीकलर ब्लाउज : चेक प्रिंट वाले मल्टीकलर ब्लाउज सबसे कॉमन है इसे हर महिला को अपने वॉर्डरोब में रखना चाहिए। लाल, पीली, नीली, हरी जैसे कई कलर के शेड पर ये परफेक्ट तरीके से मैच कर जाती हैं।

फ्लोरल प्रिंट मल्टीकलर ब्लाउज : ऐसे फ्लोरल प्रिंट वाले मल्टीकलर ब्लाउज भी कई साड़ियों के शेड के साथ मैच कर जाते हैं। इस तरह के ब्लाउज स्टिच करवा लें और रखें। मात्र एक बार पहनने के लिए ब्लाउज नहीं स्टिच करवाना पड़ेगा, एक ब्लाउज से मैच कर कई कलर की साड़ी पहनी जा सकती है।

लाइट शेड मल्टीकलर ब्लाउज : अगर आपके पास पेस्टल कलर की साड़ियां है तो अपने वॉर्डरोब के मुताबिक लाइट शेड के मल्टीकलर ब्लाउज को रेडीमेड या स्टिच करवाकर रखें और पहनें।

ब्रोकेड या बनारसी ब्लाउज : ब्रोकेड या बनारसी सिल्क के ब्लाउज को जरूर रखें। कई तरह की सिल्क की साड़ी ये ब्लाउज फिट बैठते हैं और लुक को फेस्टिवल रेडी बनाते हैं।

मल्टीकलर ब्लाउज : इस डिजाइन के ब्लाउज बहुत कॉमन है और हर लेडीज की वॉर्डरोब में होने चाहिएं। इन्हें आप डार्क शेड की कई साड़ियों के साथ मैच करके पहन सकती हैं और पूरा लुक स्टाइलिश दिखेगा।

लाल रंग से जुड़ा मल्टीकलर : लाल रंग से जुड़ा मल्टीकलर काफी सुंदर दिखता है और ट्रेडिशनल साड़ियों के साथ परफेक्ट मिक्स हो जाता है। इस तरह के ब्लाउज पर पैसे जरूर खर्च करने चाहिए। व्हाइट शेड के ब्लाउज में मल्टीकलर के धागों से कढ़ाई वाले ब्लाउज पर पैसे खर्च करें।

मेहंदी में छिपाएं पति का नाम, इन डिजाइंस में ढूंढते रह जाएंगे पिया जी

करवा चौथ का त्योहार बिना मेहंदी के अधूरा होता है। सुहागिन महिलाएं पूरा श्रृंगार करती हैं और हाथों पर मेहंदी रचाती हैं। कई महिलाएं हिना में पति का नाम लिखवा लेती हैं, जिससे उन्हें खोजना पड़े। आजकल वैसे तो डिजाइन इतनी घनी लगाई जाती है, जिसमें पति का नाम या उनके नाम का अक्षर आप आसानी से छिपा सकती हैं लेकिन अगर आपको कोई खास डिजाइन लगवानी है।

सिटीस्केप और ट्रेडिशनल मिक्स मेहंदी : इस डिजाइन में हाथों की कलाई पर ऊपर की ओर खूबसूरत शहर की इमारतों और स्काईलाइन की डिजाइन बनी हुई है, जबकि नीचे की तरफ बारीक जाली, झूमर और पारंपरिक बारीक फूल-पत्तियों का पैटर्न है। यह पैटर्न हाथों पर अच्छा लगेगा। इस डिजाइन में आप पति का नाम कलाई पर बनी इमारतों या सिलुएट की काली आउटलाइन के बीच में बारीक अक्षरों में नाम लिखा जा सकता है। इसके अलावा हथेली के बीच बनी बारीक जाली के खानों में एक-एक अक्षर छिपाया जा सकता है।



मंत्र और भक्ति भाव मेहंदी

इस मेहंदी डिजाइन में भगवान शिव का 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र और नंदी जी उकेरे गए हैं, जबकि दूसरे हाथ पर करवा चौथ के सुहाग संदेश और फेरों का महत्व लिखा हुआ है। इसमें कमल के फूल और वट वृक्ष के पत्तों की सुंदर शेडिंग बनी हुई है। हाथ पर लिखे गए प्रेम या सुहाग से जुड़े संदेश वाली पंक्तियों के बीच में पति का नाम बहुत आसानी से छिपाया जा सकता है।

जाली और मंडला मेहंदी : ये हिना डिजाइन हल्की लेकिन बेहद खूबसूरत ज्यामितीय और मंडला कट-आउट डिजाइन में बनी है। इसमें हथेलियों के बीच में त्रिभुज आकार की सुंदर बारीक जाली है, कलाई पर अरेबिक पैटर्न के साथ बारीक बिंदियों को बनाया गया है। हथेली के ऊपरी हिस्से में जो त्रिकोणीय जाली का पैटर्न बना है, उसके घुमावदार बॉर्डर या जाली की बारीक लाइनों में नाम बहुत खूबसूरती से छिपाया जा सकता है।

पहले करवा चौथ पर हाथों में सजाएं ये ट्रेंडी चूड़ा, सास से लेकर पति तक करेंगे तारीफ

शादी के बाद हर सुहागिन महिला के लिए करवा चौथ का त्योहार बेहद खास होता है। करवा चौथ के लिए महिलाएं पहले से कई तैयारियां करने लगती हैं। अगर आप इस बार पहला करवा चौथ मनाने जा रही हैं, तो अपने हाथों की शोभा बढ़ाने के लिए चूड़ा के ये डिजाइंस जरूर ट्राई करें। चूड़ा हाथों की खूबसूरती को बढ़ा देता है और भरा हुआ लुक देता है।

कुंदन और इविल आई ब्राइडल चूड़ा : लाल रंग के क्लासिक चकाचौंध वाले चूड़े के साथ कुंदन के कड़े और इविल आई मोतियों वाला चूड़ा काफी ट्रेंडी लग रहा है। करवा चौथ के खास दिन के लिए इस तरह का चूड़ा परफेक्ट रहेगा। आपकी साड़ी, सूट के साथ अच्छा लगेगा।

रॉयल एम्राल्ड ग्रीन पर्ल कड़ा



सेट : रॉयल ग्रीन कलर की चूड़ियों के साथ गोल्डन फ्लोरल वर्क और मोतियों की बार्डर वाला यह सेट बेहद राजसी लुक देता है। करवा चौथ या किसी भी पारंपरिक उत्सव में साड़ी या लहंगे के साथ पहनने के लिए यह परफेक्ट रहेगा।

रेड कुंदन और पर्ल चूड़ा सेट : गहरे लाल रंग की चूड़ियों के बीच बारीक कुंदन और मोती के काम वाले कड़े इस सेट को बेहद प्रीमियम लुक दे रहे हैं। अगर आप अपनी करवा चौथ पर एलिगेंट लुक के साथ चूड़ा सेट पहनना चाहती हैं, तो इस तरह का डिजाइन ट्राई करें।

जालीदार वर्क ब्राइडल चूड़ा : करवा चौथ के खास दिन के लिए रॉयल रेड कलर का यह चूड़ा अच्छा लगेगा। हैवी नक्काशीदार कड़ों और जालीदार कुंदन डिजाइन के साथ आप इसे स्टाइल करें। लहंगा-साड़ी के साथ ये आपको रिच लुक देगा।

मीनाकारी ब्राइडल चूड़ा : हाथी और बारीक मीनाकारी वर्क वाले कड़ों से सजा यह पारंपरिक लाल चूड़ा भारतीय संस्कृति की खूबसूरती को दर्शाता है। करवा चौथ के खास दिन के लिए आप इस तरह का डिजाइन भी चुन सकती हैं। इसमें लटकन शैली की बारीक डिटेलिंग दी गई है, जो आपके हाथों में सुंदर लगेंगे।

कार्नर न्यूज

आपकी लाडली लगेगी सबसे प्यारी!

गाउन से एथनिक सूट तक, बच्चियों के लिए ये हैं खूबसूरत ड्रेस डिजाइन

बच्चों के कपड़े खरीदते समय हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा प्यारा दिखने के साथ कपड़ों में आराम भी महसूस करे। खासकर त्योहारों, शादी या परिवार के किसी फंक्शन के लिए ड्रेस लेते समय डिजाइन, फैब्रिक की क्वालिटी और फिटिंग पर ध्यान देना जरूरी है। आजकल बच्चियों के लिए कई खूबसूरत डिजाइन मिल रहे हैं, जो उनके अंदाज को खास बनाने के साथ खेलने-कूदने के दौरान भी आराम देते हैं।



टॉप और डंगरी का स्टाइलिश सेट

बच्चियों के लिए टॉप और डंगरी का यह सेट कैजुअल वियर के साथ पार्टी के लिए भी अच्छा रहेगा। इसका स्टाइलिश डिजाइन बर्थडे पार्टी, शादी और परिवार के समारोहों में प्यारा अंदाज देगा। सेट के साथ मिलने वाली छोटी पर्स पूरे आउटफिट को और आकर्षक बनाती है।

मुलायम कपड़े से बना स्टाइलिश सेट

कॉटन ब्लेंड से बने इस सेट में 95 प्रतिशत कॉटन और 5 प्रतिशत स्पैन्डेक्स का इस्तेमाल किया गया है। मुलायम और स्ट्रेचेबल फैब्रिक पहनने के दौरान आराम देता है। सेट में फुल स्लीव टॉप, डंगरी और पर्स शामिल हैं। इसे प्यारे शूज और हेयर एक्सेसरीज के साथ स्टाइल करें। मशीन वॉश की सुविधा से इसकी देखभाल भी आसान रहती है।

अनारकली कुर्ता और शरारा सेट

अनारकली कुर्ता और शरारा का यह सेट पारंपरिक लुक के साथ स्टाइलिश अंदाज भी देता है। घुटनों तक लंबाई वाला अनारकली कुर्ता, वी-नेक और तीन-चौथाई फ्रिल स्लीव्स इसकी खूबसूरती बढ़ाते हैं। यह ड्रेस बर्थडे पार्टी, त्योहारों और परिवार के समारोहों के लिए अच्छी रहेगी।

कुर्ता, शरारा और दुपट्टे का खूबसूरत मेल

इस सेट में खादी रेयॉन का कुर्ता और शरारा दिया गया है, जबकि कुर्ते के अंदर कॉटन की लाइनिंग है। इसके साथ चिनॉन फैब्रिक का दुपट्टा भी मिलता है, जो पारंपरिक अंदाज को पूरा करता है। कुर्ते का घेरदार डिजाइन और शरारा का मेल एथनिक लुक को खास बनाता है।



पीले रंग का एथनिक सलवार सूट

बच्चियों के लिए पीले रंग का यह सलवार सूट त्योहारों और परिवार के खास फंक्शन के लिए शानदार रहेगा। कुर्ती पर गुलाबी, हरे और नारंगी रंग की कढ़ाई के साथ मिरर वर्क किया गया है, जो इसे आकर्षक बनाता है। इसका पारंपरिक डिजाइन फेस्टिव लुक में रंगों की खूबसूरत झलक जोड़ता है।

आरामदायक डिजाइन और ट्रेडिशनल स्टाइल

कॉटन फैब्रिक से बनी इस ड्रेस में बिना बाजू वाली कुर्ती, मैचिंग सलवार और हल्का पीला दुपट्टा शामिल है। सलवार की ढीली फिटिंग बच्चियों को उठने-बैठने और खेलने के दौरान आराम देती है। कुर्ती और सलवार के किनारों पर की गई कढ़ाई इसकी खूबसूरती बढ़ाती है।